



संक्षिप्त

समाचार

द्वितीय दिन

मां ब्रह्मचारिणी



मां ब्रह्मचारिणी तपस्या, त्याग और संयम की प्रतीक है। इनके एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडल रहता है। मान्यता है कि इनकी आराधना से साधक को धैर्य, आत्मबल और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है। भवत ज्ञान, शांति और सफलता के लिए इनकी पूजा करते हैं।

टीएमसी विधायक

बिभास सरदार पर हमला
कार के शीशे तोड़े

बीजेपी पर आरोप, 5 महीने में 26 से ज्यादा टीएमसी नेताओं पर हमले

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के बारुईपुर ईस्ट से टीएमसी विधायक बिभास सरदार की गाड़ी पर शनिवार को हमला किया गया और उनके साथ मारपीट की गई। सरदार ने इसके लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है। सरदार के मुताबिक, पहले उनकी कार का शीशा ईट मारकर तोड़ा गया। इसके बाद गोलबेरिया हाट में हुए दूसरे हमले में उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना में उनकी आंख में चोट आई है। बंगाल में 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। 15 साल बाद टीएमसी सत्ता से बाहर हो गई और पहली बार बीजेपी की सरकार बनी।



चुनाव के बाद पिछले 5 महीनों में टीएमसी के 26 से ज्यादा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंकने या हमले की घटनाएं सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि विधायक पर 2 बार हमला हुआ। पहला हमला मनसाताला और दूसरा गोलबेरिया हाट में हुआ। ये दोनों जगहें जयनगर पुलिस स्टेशन के इलाके में आती हैं। उनके सुरक्षा गाई और ड्राइवर को भी परेशान करने का आरोप है। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और विधायक को बचाया। बीजेपी के जादवपुर संगठनात्मक जिला अध्यक्ष मनोरंजन ने इन आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना में बीजेपी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति शामिल नहीं था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मणिपुर में 12 घंटे से

झड़प, 9 लोगों की मौत

हिसक झड़पों, गोलीबारी और
आगजनी से तनाव बढ़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में हिंसा का एक बेहद खोफनाक दौर देखने को मिला है। राज्य के तीन अलग-अलग जिलों में महज 12 घंटों के भीतर हुई हिंसक झड़पों, गोलीबारी और आगजनी में एक गुर्खा किसान और पांच बच्चों की मां सहित कुल 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस तांडव के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव बना हुआ है। बता दें कि इस ताजा हिंसा की शुरुआत शुक्रवार रात को कामजोंग जिले के चास्साद गांव में हुई, जहां 42 वर्षीय कुकी महिला डोमखोनेई तीथांग की गोली लगने से मौत हो



गई। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों गांव के सुरक्षा गाई पोस्ट को हटाने गई थी, जिसका ग्रामीण विरोध कर रहे थे। इसी दौरान सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच हुई गोलीबारी की क्रॉसफायर में वह महिला फंस गई। उनके पैर और सीने में गोली लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थिति तेजी से बिगड़ी और कुकी व नागा समुदायों के बीच कई जगह आमने-सामने की जंग छिड़ गई। चास्साद गांव में शनिवार सुबह एक हमले में 22 वर्षीय माइकल गाममिनलेन हाओकिप की मौत हो गई और कई कुकी घरों को आग के हवाले कर दिया गया।

मेट्रो और इंटरनेट सेवा बहाल हो, बैरिकेड्स हटाए जाएं

सुप्रीम कोर्ट बोला-शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में न लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन से ठीक पहले हुए सरकारी एक्शन और पुलिस कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को एक विशेष सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने वाले लोगों को अवैध रूप से हिरासत में न लिया जाए और राजधानी में मेट्रो व रेल सेवाएं सामान्य रूप से चालू रखी जाएं। बता दें कि जस्टिस जयमाल्य

बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने 9 अक्टूबर के अपने आदेश के कथित उल्लंघन और 10 अक्टूबर को दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों को अवैध रूप से हिरासत में लिए जाने के मामलों पर तत्काल सुनवाई करते हुए कई अहम आदेश दिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की अवैध हिरासत पर रोक- कोर्ट ने प्रशासन को कड़ा निर्देश दिया है कि जो लोग शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा हो रहे हैं, उन्हें अवैध रूप से हिरासत में न लिया जाए।



मेट्रो और रेलवे सेवाओं की बहाली की जाए

अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि दिल्ली मेट्रो अपने सामान्य शेड्यूल के मुताबिक चले और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुचारु रूप से काम करे। कोर्ट ने कहा कि जब तक कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बेहद जरूरी न हो, शहर से सभी बैरिकेड्स हटा दिए जाने चाहिए ताकि आम लोगों की आवाजाही सामान्य हो सके। अदालत ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इंटरनेट सेवाएं बाधित नहीं की जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि वकीलों, पत्रकारों और अन्य पेशेवरों को उनके पेशेवर कर्तव्यों (प्रोफेशनल ड्युटी) के निर्वहन से बिल्कुल न रोका जाए। अदालत ने यह भी साफ किया कि नागरिकों को विरोध प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन यह प्रक्रिया कानून के दायरे में ही होनी चाहिए।

अपनी ही सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है भारत: मोदी

पीएम बोले-तमिलनाडु में दिखती है नए भारत की झलक

पीएम मोदी ने सीएम विजय के साथ मेट्रो में किया सफर

चेन्नई (एजेंसी)। पीएम मोदी ने चेन्नई में कहा कि मंदिरों से लेकर मेट्रो तक तमिलनाडु में नए भारत की झलक दिखती है। भारत अपनी सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है, वैज्ञानिक प्रगति के जरिए आगे बढ़ता है। मोदी ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वड्डापलानी रूट का उद्घाटन भी किया। इसके बाद पीएम ने खुद ट्रेन में यात्रा की, इस दौरान तमिलनाडु के सीएम विजय भी उनके साथ मौजूद थे। 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद यह पीएम मोदी का पहला चेन्नई दौरा है। 2026 में टीवीके ने जीत हासिल की और एक्टर विजय सीएम बने। कांग्रेस उनकी सहयोगी पार्टी है। पीएम मोदी ने कहा- देश को मजबूत बनाने के लिए राज्यों को मजबूत करना जरूरी है। इसलिए केंद्र सरकार तमिलनाडु जैसे राज्यों में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दे रही है। केंद्र सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'लोकल फॉर लोकल' जैसे अभियान से तमिलनाडु को भी फायदा हो रहा है।



तमिलनाडु में सरकारें बदलती रहीं, मेरा सेवा का संकल्प जारी रहा

पीएम मोदी ने कहा- मुख्यमंत्री के रूप में मुझे करुणानिधि और जयललिता के साथ कई बार बातचीत करने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे जयललिता, ओ. पन्निरसेल्वम, ई. पलानीस्वामी और एम.के. स्टालिन के साथ काम करने का अवसर मिला। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन तमिलनाडु के विकास और यहां के लोगों की सेवा करने का मेरा संकल्प कायम रहा। अब हम मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के साथ इस यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं।

केदारनाथ की ऊंची चोटियों पर हुई बर्फबारी



केदारनाथ/रुद्रप्रयाग। रविवार में मौसम में आए अचानक बदलाव के बाद जनपद के अग्री क्षेत्रों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्र में हिमपात हुआ है। केदारनाथ की ऊंची चोटियों और तुंगनाथ की क्षेत्र में भी बर्फ गिरी। बारिश और बर्फबारी से निचले क्षेत्रों में ठंड महसूस होने लगी है।

केदारनाथ के प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी ने बताया कि केदारनाथ की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। इससे केदारपुरी में ठंड बढ़ी है। उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि वे केदारनाथ यात्रा पर आए तो अपने साथ गर्म कपड़े जरूर लाएं और एहतियात बरतें।

पटरियों पर दौड़ती ट्रेन के 10 डिब्बों में सजा है नौ देवियों का दरबार

भाप इंजन के चालक बनेंगे भगवान भोलेनाथ और गाई के रूप में दिखेंगे गणपति

नवरात्रि में विदिशा के मोहनगिरी तिराहे पर श्रद्धा और रचनात्मकता का अनूठा संगम

विदिशा (एजेंसी)। धार्मिक आस्था और अनूठी सजावट के लिए इस बार विदिशा का मोहनगिरी तिराहा खास आकर्षण बनने जा रहा है। यहां माता रानी के दरबार को भारतीय रेलवे की थीम पर तैयार किया जा रहा है। पूरे तिराहे को रेलवे स्टेशन जैसा स्वरूप दिया जा रहा है, जिसे 'मोहनगिरी जंक्शन' नाम दिया गया है। इस झांकी की सबसे खास बात भाप से चलने वाले पुराने स्टीम इंजन की प्रतिकृति और उसके पीछे लगी 10 डिब्बों की ट्रेन होगी। झांकी में भगवान भोलेनाथ को इंजन चालक के रूप में दर्शाया गया है। वहीं, ट्रेन के अलग-अलग डिब्बों में देवी मां के विभिन्न स्वरूप विराजमान होंगे। एक डिब्बे में भगवान गणेश को गाई के रूप में दिखाया गया है।



पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में लगी इमरजेंसी

इमरान खान की पार्टी की प्रांतीय सरकार बर्खास्त

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को देश के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बढ़ते आतंकी हमलों का हवाला देते हुए आपातकाल की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार को बर्खास्त कर दिया गया है। राष्ट्रपति जरदारी ने संविधान के अनुच्छेद 232(1) और 234(1) के तहत यह अधिसूचना



जारी की। इसके लागू होते ही मुख्यमंत्री, प्रांतीय मंत्री, सलाहकार, विशेष सहायक और एडवोकेट जनरल को अपने पद तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है।

आदेश के तहत खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के अधिकार अब पाकिस्तान की संसद या उसके अधीन किसी प्राधिकरण द्वारा चलाए जाएंगे।

इमरान खान के समर्थन में

जारी विरोध मार्च

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के नेतृत्व में एक विरोध मार्च निकाला जा रहा था। यह मार्च 4 अक्टूबर को लक्की मरवात से शुरू हुआ था और इसका उद्देश्य इमरान खान की रिहाई और उनके लिए बेहतर इलाज की मांग करना था। पीटीआई की योजना इस मार्च को इस्लामाबाद ले जाकर धरना देने की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारियों को राजधानी में प्रवेश करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इमरान खान की पार्टी मांग कर रही है कि इमरान खान से तुरंत मिलने दिया जाए, उनके निजी डॉक्टरों को उन तक पहुंच मिले, उनकी पत्नी बुशरा बीबी की मेडिकल जांच कराई जाए और बहनों को रिहा किया जाए।

एफ-35 के पास भी नहीं जाने देते और खरीदने की बात करते हैं

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अमेरिकी कमांडर को जमकर सुना दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अमेरिका की ओर से भारत को अपने पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 स्टील्थ फाइटर एयरक्राफ्ट बेचने संबंधी दावों पर अहम टिप्पणी की है। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया है। जोधपुर में मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति-2026 के समापन समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में इंडियन एयर फोर्स चीफ मार्शल एपी सिंह ने अहम टिप्पणी की। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि हमें कोई ऑफिशियल ऑफर नहीं आया है एफ-35 का। मैं अभी इधर अमरीकी कमांडर को बता रहा था कि हमें तो जहाज के पास जाने नहीं दे रहे आपके लोग, आप हमें बेचने की बात करते



हैं। तो ऐसा कोई ऑफिशियल ऑफर हमारे पास नहीं आया है जो हमारे तक पहुंचा हो। भारतीय वायुसेना चीफ ने आगे कहा कि और जहां तक एफ-57 का सवाल है, हमें खबर आई है कि उन्होंने ऑफर किया है। लेकिन अभी तक कोई डिस्सीजन नहीं हुआ है कि हमें चेक करना है या नहीं करना है। जब हमें डिस्सीजन दिया जाएगा, हम उसको इवेलुएट करेंगे कि हमारी रिक्वायरमेंट्स पर वो कितना खरा उतरता है। बाकी उसकी कितनी कैपेबिलिटीज हैं, वो सब ओपन सोर्स में अवेलेबल हैं, तो अभी हमें उतना ही पता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत भविष्य की कॉम्बैट एयरक्राफ्ट जरूरतों का मूल्यांकन कर रहा है और साथ ही स्वदेशी रक्षा निर्माण को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। देश रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता बन रहा है।

संपादकीय

प्रदर्शनकारियों से अभद्रता

लोकतंत्र में विरोध की आवाज को सुना जाना चाहिए, कुचला नहीं जाना चाहिए। यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ मारपीट और प्रदर्शनकारियों से अभद्रता के आरोप सामने आते हैं, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और प्रशासनिक जवाबदेही की भी परीक्षा है। किसी की मांग से सहमत होना या न होना अलग विषय है, लेकिन अपनी बात रखने के अधिकार का सम्मान करना लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। ऐसे में यदि प्रदर्शन के दौरान गैर-वर्दीधारी व्यक्तियों द्वारा प्रदर्शनकारियों से अभद्रता और लड़कियों के साथ मारपीट किए जाने के आरोप सामने आते हैं, तो इनकी गंभीरता से जांच होना आवश्यक है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर ये गैर-वर्दीधारी लोग कौन थे? क्या वे किसी अधिकृत सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा थे या फिर ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें प्रदर्शनकारियों से उलझने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था? यदि वे किसी सरकारी व्यवस्था से जुड़े थे, तो उनकी पहचान, तैनाती और कार्रवाई के आदेशों की पड़ताल होनी चाहिए। यदि वे निजी व्यक्ति थे, तो यह पता लगाना जरूरी है कि उन्हें प्रदर्शन स्थल पर हस्तक्षेप करने की अनुमति किसने दी और उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई। महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता का मामला इस सवाल को और गंभीर बनाता है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान केवल भाषणों तथा घोषणाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यदि किसी महिला के साथ अनुचित व्यवहार हुआ है, तो उसकी शिकायत को गंभीरता से लेकर निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। उपलब्ध वीडियो फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोषियों की पहचान होनी चाहिए। जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। हमारे देश के कानून में मारपीट, चोट पहुंचाने, अपराधिक बल प्रयोग और महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के लिए परिस्थितियों के अनुसार दंड का प्रावधान है। यदि किसी पुलिसकर्मी या सरकारी कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है, तो मामले की प्रकृति के अनुसार अपराधिक कार्रवाई के साथ विभागीय जवाबदेही भी तय की जा सकती है। यदि किसी निजी व्यक्ति ने हिंसा की है, तो उसके विरुद्ध भी कानून के अनुस्य कार्रवाई होनी चाहिए। किसी का पद, पहचान या प्रभाव उसे कानून से ऊपर नहीं कर सकता। इस प्रकरण में प्रशासन की जिम्मेदारी सुनिश्चित करना चाहिए कि घटनास्थल पर मौजूद लोगों की शिकायतें दर्ज हों, उपलब्ध साक्ष्य सुरक्षित रखे जाएं और जांच के परिणामों को उचित रूप से सार्वजनिक किया जाए। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है, तो उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं है। सरकार की नीतियों से सहमत होना नागरिकों की बाध्यता नहीं, बल्कि अपनी बात रखने का अधिकार उनकी लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का हिस्सा है। जंतर-मंतर से उठने वाला यह सवाल केवल एक प्रदर्शन या कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं है। यह उस व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा है, जिसमें दो समीत कानून की उम्मीद लेकर प्रशासन के पास जाता है। यदि कानून का उल्लंघन करने वाले को उसके कृत्य के अनुसार दंड मिलता है, तो जनता का विश्वास मजबूत होता है। इसके विपरीत, यदि शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होती, तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ने की आशंका रहती है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के साथ अभद्रता और महिलाओं से मारपीट के आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो दोषियों के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई हो जो कानून के शासन में जनता का विश्वास कायम करे।



संजय गोस्वामी

आज खाड़ी देशों में अमेरिका ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलदमरूमध्य में क्षेत्र में कच्चे तेल के आवाजाही अवरुद्ध होने के कारण पेट्रोल डीजल के दाम में काफी बढ़ोतरी हुई है 7 महीने से युद्धके चलते इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल का रेट 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। इसलिए अब दुपहिया या मोटर कार में चलना मुश्किल हो सकता है इसलिए आज ही साइकिल को इस्तेमाल करना शुरू कर दे ऐ कई बार राजनेताओं ने भी शिरकत की थी दरअसल साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बचका, जवान या बुढ़ा व्यक्ति सभी चला सकते हैं।आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरो की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन पहिय हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैनुफैक्चरर के तौर पर मिचोव्सकी की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और एमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मांसिल तक 800 किलोमीटर (500 मील) से ज्यादा वेलोसिपेड चलाई, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिट और अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज बनने में मदद की। भाइयों ने मिचोव्स में 69 परसेंट इन्विटी के लिए 50,000 फ्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत बड़ी फेक्ट्री में चला गया। पहले मॉडल में सर्पिल के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत

यतायात के लिए साइकिल एक उत्तम दुपहिया वाहन



बाद फर्म ने रॉट आयरन से बने डायमोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोज़िशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विजिटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे; पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 की पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नजारा बन गया था, और काफी ज्यादा कीमतों के बावजूद बिक्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ओलिवियर्स ने मिचोव्स एट सी का पुरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर कॉम्पैनी पेरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्प्रोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और फ्रीव्हील (जो कोरिस्टिंग की इजाजत देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्प्रोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हार्ड राइड की वजह से शुरुआती वेलोसिपेड को हूबोनशेकरह्व का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्प्रोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जैसे ही बोनशेकर हूआईंडेनरीह्व नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री

को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैनुफैक्चरिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। आईर्निंगी का वजन आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18कि.ग्रा.) होता था, लेकिन ट्रैक-रेसिंग मॉडल का वजन 16 पाउंड (7कि.ग्रा.) जितना कम हो सकता था। शुरुआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेल्फास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमैटिक टायर इंट्रोड्यूस किए। इनसे रोलिंग रेजिस्टेंस बहुत कम होने के साथ ज्यादा आरामदायक राइड मिलती थी। 1893 तक लगभग सभी नई साइकिलों में न्यूमैटिक टायर थे, जिससे उनकी पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई। न्यूमैटिक टायर और टेंशन-स्प्रोक वाले पहिये ने क्रेक और पैडल जितना ही काम किया, जिससे साइकिल घोड़े के एक बड़े विकल्प के तौर पर स्थापित हुई। 1890 के दशक में डायमंड-पैटर्न फ्रेम, न्यूमैटिक टायर, चेन ड्राइव और ब्रेक वाली प्रैक्टिकल साइकिलों का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हुआ। 1890 के दशक के आखिर तक ज्यादातर साइकिलों का वजन सिर्फ 25 से 35 पाउंड (11 से 16कि.ग्रा.) था। स्टैंडर्ड डिजाइन ने ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप में साइकिल की धूम मचा दी और सैकड़ों बनाने वाले बन गए। 1895 में

ब्रिटेन में 800,000 से ज्यादा साइकिलें बनीं। 1899 में यूनाइटेड स्टेट्स में 1.1 मिलियन से ज्यादा साइकिलें बनीं। बहुत सारी महिलाओं ने साइकिल चलाना शुरू किया, और मार्केट बहुत बढ़ गया; साइकिल चलाना महिलाओं के आंदोलन की निशानी बन गया। लेकिन यह बूम जल्दी ही खत्म हो गया, और साइकिल की बिक्री बहुत कम हो गई, जिसके कारण कई बैकपशी हुईं और साइकिल की कीमतें बहुत कम हो गईं। साइकिल बूम के खत्म होने का गलत दोष ऑटोमोबाइल को दिया जाता है, लेकिन ज्यादा मुमकिन वजह स्ट्रीटकार जैसे शुरुआती मास ट्रॉजिट सिस्टम की तेजी से बढ़ोतरी थी, जिसने साइकिल से यात्रा करने का एक अच्छा विकल्प दिया—खासकर खराब मौसम में। आज की साइकिल 1900 के बाद मटीरियल, फ्रेम डिजाइन और पाटर्स में बहुत सारे सुधार किए गए, लेकिन साइकिल का बेसिक डिजाइन लगभग वसा ही रहा। सबसे बड़ा टेक्निकल सुधार मल्टीपल-स्पीड गियारिंग था। 1896 में विलियम रेली को दो-स्पीड इंटरनल हब गियर के लिए पेटेंट मिलने के बाद, ये गियर ब्रिटेन में डीलक्स साइकिलों का एक फीचर बन गए। 1913 तक स्टर्मी-आचर कंपनी हर साल 100,000 तीन-स्पीड हब गियर बना रही थी। फ्रेंच साइकिल चलाने वालों ने कई तरह के मल्टीपल-स्पीड मैकेनिज्म के साथ एक्सपेरिमेंट किया, और 1920 के दशक तक फ्रांस में चेन को एक स्प्रोक्रेट से दूसरे स्प्रोक्रेट तक ले जाने वाले डेरिलियर गियर बन गए थे। बिकने वाली साइकिलों में से आधी 10-स्पीड वाली थीं। 1974 के तेल बैन से बड़ों की साइकिलिंग बढ़ी, और यूनाइटेड स्टेट्स अच्छी क्वालिटी वाली साइकिलों का बड़ा मार्केट बन गया। लेकिन, 1975 में सेल्स फिर से घटकर 7 मिलियन रह गईं, और कई साइकिल कंपनियां दिवालिया हो गईं। जापानी और ताइवान की कंपनियां बच गईं और उन्होंने यूरोपियन कंपनियों से एक्सपोर्ट मार्केट पर कब्जा कर लिया।साइकिलिंग में अगली वापसी तथाकथित माउटेन बाइक की वजह से हुई। पहले इसके इन्वेंटर्स ने इसे हूक्लैरह्व कहा था, माउटेन बाइक 1970 के दशक में उत्तरी कैलिफोर्निया में डेवलप की गई। 1980 के दशक में उन्होंने 10-स्पीड वाली बाइकों की जगह ले ली, ठीक वैसे ही जैसे 1880 के दशक में पेपेटी साइकिलों ने आम साइकिलों की जगह ले ली थी। माउटेन बाइक डेवलपड दुनिया में स्टैंडर्ड साइकिल बन गई और 1993 में यूनाइटेड स्टेट्स में साइकिल की सेल्स में इसका हिस्सा 95 परसेंट था। दूरिग और रेसिंग साइकिलों को रोड बाइक के नाम से जाना जाने लगा।निश्चित रूप से आज जहाँ खाड़ी में युद्ध के कारण पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं वहाँ यह साइकिल बिना पेट्रोल के तेज दौड़ेगी और स्वस्थ रहेगी।

चेन्नई से दौड़ेगी विकास की मिलेगी रफ्तार

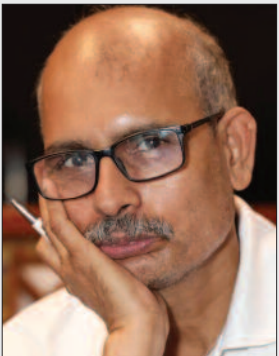
मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे, बंदरगाह, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं से तमिलनाडु के विकास, औद्योगिक विस्तार और आधुनिक कनेक्टिविटी को मिलेगी नई दिशा... भारत की सांस्कृतिक विरासत, समुद्री व्यापार,औद्योगिक विकास और आधुनिक तकनीकी क्षमताओं में दक्षिण भारत का महत्वपूर्ण स्थान रहा है।आज का यह दिन तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई इन सभी विशेषताओं का संगम है। जहाँ एक ओर बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह महानगर समुद्री व्यापार और उद्योग का प्रमुख केंद्र है,तो दूसरी ओर वाहन निर्माण,सूचना प्रौद्योगिकी,उच्च शिक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं और वैज्ञानिक अनुसंधान में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।तेजी से बढ़ती आबादी, शहरीकरण और औद्योगिक गतिविधियों के बीच चेन्नई को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना समय की मांग है।इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 अक्टूबर 2026 को चेन्नई दौरा महत्वपूर्ण रहा। पी एम नरेंद्र मोदी ने इस दौरान तमिलनाडु में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन,शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया गया।प्रधानमंत्री कार्यालय की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार,ये परियोजनाएं मेट्रो रेल,राष्ट्रीय राजमार्ग,रेलवे,बंदरगाह, पेट्रोलियम और शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं।इनका उद्देश्य परिवहन सुविधाओं का विस्तार करने के साथ व्यापार,उद्योग,क्षेत्रीय संपर्क और तकनीकी अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है।चेन्नई में विकास की इस नई पहल को केवल कुछ परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए।यह समझना भी आवश्यक है कि आधुनिक परिवहन, मजबूत औद्योगिक ढांचा,समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।इन क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं विकसित होने से रोजगार,निवेश और आर्थिक गतिविधियों के लिए नए अवसर तैयार हो सकते हैं। मेट्रो रेल से महानगर को नई गति -प्रधानमंत्री के चेन्नई दौरे की प्रमुख उपलब्धियों में चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के पुनामल्ली-वडापलनी खंड का उद्घाटन शामिल रहा।लगभग 4,900 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस खंड में 3.7 किलो मीटर लंबी दोहरी संरचना विशेष आकर्षण है।इसमें उच्चतम संकेत प्रणाली का उपयोग किया गया है,जिसे चालक रहित रेल परिचालन के अनुकूल बनाया गया है। मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं।ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बर्बादी के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है। चेन्नई की मेट्रो परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि इसमें सीमित शहरी भूमि का अधिक प्रभावी उपयोग करने के लिए दोहरी संरचना विकसित की गई है। हाँलांकि,किसी भी सार्वजनिक परिवहन परियोजना की वास्तविक सफलता यात्रियों की संख्या,नियमित परिचालन, स्टेशन तक पहुंच और सेवाओं की गुणवत्ता से तय होती है। इसलिए निर्माण के साथ यात्रियों की सुविधा और परिचालन



की दक्षता पर भी निरंतर ध्यान देना आवश्यक होगा। राष्ट्रीय राजमार्गों से मजबूत होगा क्षेत्रीय संपर्क - तमिलनाडु में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए लगभग 3,700 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाया गया।प्रधान मंत्री कार्यालय के अनुसार, इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744 पर वडुगपट्टी-थेकुवेंगल्लूर के बीच 36 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 744ए पर मडुरै रिंग रोड के 30 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खंड का उद्घाटन शामिल है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 83 के नागपट्टिनम-तंजावुर खंड पर तिरुवारूर बाईपास के निर्माण का आधारशिला रखी गई।इन परियोजनाओं का सीधा संबंध यात्रियों की सुविधा और माल परिवहन की गति से है।मडुरै जैसे महत्वपूर्ण शहरों में बेहतर बाईपास और राजमार्ग संकेत से भारी वाहनों को शहर के भीतरी हिस्सों से गुजरने की आवश्यकता कम हो सकती है।इससे जाम में राहत मिलने और यात्रा समय घटने की संभावना है।राजमार्गों का विकास तीर्थस्थलों, औद्योगिक केंद्रों और व्यापारिक क्षेत्रों के बीच संपर्क को भी मजबूत करता है।किसानों के उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने, उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति और तैयार वस्तुओं के परिवहन में बेहतर सड़क नेटवर्क सहायक होता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ नए व्यावसायिक अवसर भी विकसित हो सकते हैं।रेलवे आधुनिकीकरण से यात्रियों को सुविधा - भारतीय रेलवे देश की आर्थिक और सामाजिक जीवरेखा है।चेन्नई कार्यक्रम के अंतर्गत 750 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया और उनका उद्घाटन किया गया। इनमें कराईकलझूपेरलम रेल लाइन, कोयंबटूर और आसपास के क्षेत्रों में तीन रेल ओवरब्रिज तथा अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत पुनर्विकसित पांच रेलवे स्टेशन शामिल हैं।इन स्टेशनों में पलानी,वेल्लोर कैटोनमेंट, अंबासमुद्रम, परमाकुडी और नामक्कल प्रमुख हैं। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण केवल भवनों के सौंदर्यीकरण का विषय नहीं है।इसका उद्देश्य यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं, सुगम आवागमन और अधिक व्यवस्थित स्टेशन परिसर उपलब्ध कराना भी है।छोटे शहरों और धार्मिक स्थलों के रेलवे स्टेशनों का विकास स्थानीय पर्वटन तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकता है। कोयंबटूर क्षेत्र में रेल ओवरब्रिज का निर्माण सड़क और रेल यातायात के बीच होने वाले व्यवधान को कम करने में सहायक होगा। व्यस्त रेल क्रॉसिंग पर वाहनों के रुकने से समय की बर्बादी होती है और कई बार दुर्घटनाओं का

खतरा भी बढ़ता है।बेहतर रेल अवसंरचना इन समस्याओं को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। बंदरगाहों से समुद्री अर्थव्यवस्था का विस्तार - तमिलनाडु की भौगोलिक स्थिति उसे समुद्री व्यापार के क्षेत्र में विशेष महत्व प्रदान करती है।चेन्नई बंदरगाह, कामराजर बंदरगाह और वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह राज्य की औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों के प्रमुख आधार हैं।इनकी क्षमता बढ़ाना देश के आयात-निर्यात और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। चेन्नई बंदरगाह पर चार प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।इनमें पक्का भंडारण क्षेत्र, चार निर्यात-आयात गोदाम, आधुनिक क्रूज टर्मिनल और नाविकों के लिए क्लब शामिल हैं। इन सुविधाओं से माल के भंडारण और प्रबंधन में सुधार के साथ क्रूज यात्रियों तथा समुद्री कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर आठ प्रमुख विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया।इनका उद्देश्य माल एवं कंटेनर प्रबंधन और क्षमता का विस्तार, स्वच्छ समुद्री ऊर्जा के लिए आधारभूत सुविधाओं का विकास और बंदरगाह परिसर में माल की आवाजाही को अधिक प्रभावी बनाना है। कामराजर बंदरगाह पर कोयला बर्थ संख्या तीन का उद्घाटन किया गया।इसके साथ ही कंटेनर टर्मिनल के पहले चरण के दूसरे हिस्से से संबंधित पूंजीगत ड्रेजिंग कार्य की आधारशिला रखी गई। बंदरगाहों की दक्षता बढ़ने से माल को जहाजों से उतारने,भंडारित करने और आगे परिवहन करने में लगने वाला समय कम किया जा सकता है।इससे उद्योगों की लॉजिस्टिक्स लागत घटाने और निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ती हैं।समुद्री व्यापार का विस्तार स्थानीय रोजगार और संबंधित सेवाओं के विकास में भी योगदान दे सकता है। पेट्रोलियम क्षेत्र में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन -चेन्नई के मनाली स्थित चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी में लगभग 1,620 करोड़ रुपये की लागत वाली ग्रुप-द्वितीय एवं ग्रुप-तृतीय ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक्स परियोजना की आधारशिला रखी गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार, इसकी प्रस्तावित उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 2.70 लाख मीट्रिक टन है। इस परियोजना के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता वाले स्नेहक तैयार करने के लिए आवश्यक आधारभूत तेल का उत्पादन किया जाएगा। ऐसे स्नेहकों का उपयोग वाहन उद्योग, मशीनों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में होता है। घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ने से भारत के औद्योगिक क्षेत्र को

आवश्यक सामग्री की उपलब्धता मजबूत करने में मदद मिल सकती है।यह परियोजना ऊर्जा क्षेत्र में मूल्य संवर्धन और तकनीकी क्षमताओं के विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। हालांकि,इसके वास्तविक आर्थिक लाभ उत्पादन शुरू होने, बाजार की मांग और उद्योगों को मिलने वाली आपूर्ति पर निर्भर करेंगे। आईआईटी मद्रास में विज्ञान की नई संभावनाएं -चेन्नई की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष वैज्ञानिक अनुसंधान भी है। प्रधानमंत्री ने आईआईटी मद्रास स्थित सुधा गोपालकृष्णन मस्तिष्क केंद्र को राष्ट्र को समर्पित किया।इसके साथ मानव मस्तिष्क का विस्तृत अध्ययन करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पहल भी शुरू की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की आधिकारिक जानकारी के अनुसार,इस अभियान का लक्ष्य भ्रूण अवस्था से वृद्धावस्था तक जीवन के विभिन्न चरणों में 100 से अधिक मानव मस्तिष्कों के त्रिआयामी एटलस तैयार करना है। यह अध्ययन कोशिकीय स्तर पर मस्तिष्क की संरचना को समझने में सहायता करेगा। इस अवसर पर सी-स्ट्रोक नामक मानव इस्कीमिक स्ट्रोक एटलस भी जारी किया गया। इसमें स्ट्रोक से प्रभावित मस्तिष्क के एक हजार से अधिक चित्रित सूक्ष्म ऊतक खंड शामिल हैं। इससे दुनिया भर के शोधकर्ताओं को मस्तिष्काघात से संबंधित नए उपचार लक्ष्यों की पहचान करने में सहायता मिल सकती है। यह पहल इस बात का उदाहरण है कि विकास का अर्थ केवल सड़क, रेल और औद्योगिक ढांचे का निर्माण नहीं है।वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा ज्ञान और आधुनिक तकनीक में निवेश भी देश की दीर्घकालिक प्रगति के लिए आवश्यक है। विकास का लाभ आम नागरिक तक पहुंचने - चेन्नई में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का यह कार्यक्रम परिवहन,उद्योग, समुद्री व्यापार और वैज्ञानिक अनुसंधान को एक साथ आगे बढ़ाने की व्यापक पहल के रूप में देखा जा सकता है। मेट्रो रेल शहरी आवागमन को बेहतर बनाने में सहायक है, राजमार्ग क्षेत्रीय संपर्क मजबूत करते हैं।रेलवे यात्रियों और व्यापार को सुविधा देता है तथा बंदरगाह देश को वैश्विक बाजारों से जोड़ते हैं।दूसरी ओर, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़ी परियोजनाएं घरेलू उत्पादन तथा तकनीकी क्षमताओं के विस्तार की संभावनाएं खोलती हैं।फिर भी, विकास की वास्तविक कसौटी केवल परियोजनाओं की लागत या उद्घाटन की संख्या नहीं होती। निधारित समय में निर्माण पूरा करना, गुणवत्ता बनाए रखना, सार्वजनिक धन का उचित उपयोग और आम लोगों तक सुविधाओं का लाभा पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है।शहरी विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षित यातायात और समावेशी सुविधाओं पर ध्यान देना आवश्यक है।चेन्नई को इन परियोजनाओं का प्रभाव तमिलनाडु की सीमाओं से आगे भी दिखाई दे सकता है, क्योंकि दक्षिण भारत का औद्योगिक और समुद्री नेटवर्क राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा है।बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार और निवेश को अवसर मिल सकते हैं तथा आधुनिक अनुसंधान से भारत की वैज्ञानिक क्षमता मजबूत हो सकती है। अब इन परियोजनाओं की सफलता इस बात से निर्धारित होगी कि वे कितनी प्रभावी ढंग से धारावाहक पर उतरती हैं और नागरिकों के दैनिक जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाती हैं।विकास की सार्थकता यह है,जब आधुनिक अवसंरचना के साथ रोजगार, सुविधा,सुरक्षा और आर्थिक अवसरों का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचे।



विनोद सिंह 'तकियावाला'

मेट्रो रेल का विस्तार चेन्नई के पश्चिमी

उपनगरों और शहर के केंद्रीय हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।महानगरों में प्रतिदिन लाखों लोग रोजगार, शिक्षा,कारोबार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यात्रा करते हैं।ऐसे में सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जाम,ईंधन की खपत और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।मेट्रो जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यात्रियों को सुविधाजनक और नियमित परिवहन उपलब्ध होने से निजी वाहनों पर निर्भरता घटाने की संभावना बढ़ती है।इससे यातायात दबाव और प्रदूषण कम करने में भी मदद मिल सकती है।

लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग, 260 दिन से आंदोलन जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र की जनता को एलिवेटेड मोटर मार्ग के अलावा कोई अन्य विकल्प स्वीकार नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि मार्ग निर्माण के नाम पर किसी भी तरह की लीपापोती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि सामाजिक, आर्थिक और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस मार्ग का जल्द एलिवेटेड निर्माण किया जाना चाहिए। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पूर्व सैनिक रविंद्र सौद ने कहा कि क्षेत्रवासी एलिवेटेड मोटर मार्ग की मांग को लेकर पिछले 260 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से अब तक इस दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने



मार्ग निर्माण को धरना देते लोग

सवाल उठाया कि वन विभाग वन भूमि को लोक निर्माण विभाग की हस्तान्तरित क्यों नहीं कर रहा है, जिससे मार्ग निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ सके। रविंद्र सौद ने क्षेत्रीय विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण से भी

जनहित में आवश्यक पहल करने की मांग की। उन्होंने वाइलडलाइफ अमेंडमेंट एक्ट 2006 को जनहित में लागू करवाने की मांग उठाते हुए कहा कि इस दिशा में प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि जनहित से जुड़े

महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण का रस्ता साफ हो सके। उन्होंने कहा कि जिस मार्ग पर वर्ष 1960 के दशक से वाहनों की आवाजाही होती रही है, उसके निर्माण के लिए आज भी क्षेत्रवासियों को आंदोलन करना पड़ रहा है। यह क्षेत्र के लोगों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक और सामरिक जरूरतों से जुड़ा हुआ है। ऐसे में सरकार को जनता की मांग को गंभीरता से लेते हुए एलिवेटेड मार्ग निर्माण की दिशा में जल्द ठोस कदम उठाने चाहिए। आंदोलनकारियों ने दोहराया कि जब तक एलिवेटेड मोटर मार्ग निर्माण की मांग पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर उममेद सिंह भंडारी, नरेश धरमना, कृपाल सिंह गुसाईं, मोहन सिंह बिष्ट, अमित राणा, गोबर्धन काला, पुष्पा मेहता और कल्पना जोशी सहित अन्य आंदोलनकारी मौजूद रहे।

संगठन के अध्यक्ष बने सुदर्शन सिंह बिष्ट, विनोद नेगी को महासचिव की जिम्मेदारी

कोटद्वार: सपर निगम क्षेत्र के अंतर्गत मानपुर स्थित कार्यालय में वरिष्ठ नागरिक संगठन की वार्षिक आम सभा आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों और आय-व्यय का वीर्या प्रस्तुत करने के साथ ही नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव प्रक्रिया के तहत सुदर्शन सिंह बिष्ट को संगठन का अध्यक्ष, विनोद नेगी को महासचिव और सुनील कुमार नन्वाी को कोषाध्यक्ष चुना गया।बैठक की शुरुआत में संगठन के कोषाध्यक्ष महेंद्र कुमार अग्रवाल ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। इसके बाद संगठन के अध्यक्ष पीएल खतवाल ने संगठन की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के हित में किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने संगठन की गतिविधियों और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए सदस्यों के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। इसके बाद पीएल खतवाल ने वर्तमान कार्यकारिणी को भूरा कर-नई कार्यकारिणी के चुनाव की प्रक्रिया शुरूकरने की घोषणा की। चुनाव अधिकारी धीरजधर बड्डुआण और विजयगण देवतियाल की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें सभी सदस्यों की सहमति से नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चयन किया गया। इस अवसर पर निपुढमन सिंह बिष्ट और राजेंद्र प्रसाद पंत सहित संगठन के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सुखरौ देवी मंदिर में नौ दिवसीय नवरात्र पूजन शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: शारदीय नव-रात्र के अवसर पर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना को लेकर सुखरौ देवी मंदिर समिति की ओर से नौ दिवसीय नवरात्र पूजन कार्यक्रम शुरू हो गया है।

नवरात्र के प्रथम दिन विधि-विधान के साथ मां भगवती की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर परिवार और क्षेत्र की सुख-शांति की कामना की।

पूजन का शुभारंभ आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने किया। प्रथम दिन के यजमान मंदिर समिति के अध्यक्ष राजाराम अंथ्वाल रहे। पूजा-अर्चना के दौरान आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने कहा कि मां भगवती की सच्चे मन से आराधना करने वाले भक्तों पर उनकी विशेष कृपा बनी रहती है। मां की कृपा से घर-परिवार में सुख-शांति और सौभाग्य में वृद्धि होती है। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। भक्तों ने घरों में कलश स्थापना कर मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की। देवी मंदिरों में नौ दिनों तक विशेष पूजा-



मंदिर में पूजा अर्चना करते श्रद्धालु

पाठ और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। नवरात्र को लेकर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। इस अवसर पर सत्यप्रकाश भारद्वाज, रवींद्र चौहान, विपिन

बड़थ्वाल, सुदामा प्रसाद, मोहित बलूनी, गणेश डबराल, अनिल खतवाल, कमोल सजवाण, प्रियांक नौडियाल, मनोज द्विवेदी और अर्जुन सिंह रावत सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर सामाजिक सौहार्द और सेवा का संदेश दिया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री वैश्य अग्रवाल सभा की ओर से महाराजा अग्रसेन की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने महाराजा अग्रसेन को सामाजिक सौहार्द, समानता और जनसेवा का अग्रदूत बताते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज के कमजोर वर्गों के उथान और जरूरतमंदों की सहायता के लिए महत्वपूर्ण संदेश दिया था। उनके आदर्श आज भी समाज को एकजुट करने की प्रेरणा देते हैं।मजीबाबाद चौराहे के समीप तीलू रोतेली चौक पर आयोजित जयंती समारोह का शुभारम्भ सुबोध गर्ग और नरेंद्र अग्रवाल ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि महाराजा अग्रसेन महान सूर्यवंशी राजा और अग्रवाल समाज के संस्थापक माने जाते हैं। उन्होंने समाज में समानता, सहयोग और सामाजिक एकस्मता को बढ़ावा दिया। उनके विचारों ने समाज के कमजोर वर्गों को

सहारा देने और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। वक्ताओं ने महाराजा अग्रसेन के ह्राएक ईंट, एक स्म्याह्न के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि इस परंपरा का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहयोग देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने समाज के लोगों से इस संकल्प को आगे बढ़ाने और आर्थिक रूप से कमजोर अग्रवंशियों की मदद के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन के आदर्शों पर चलते हुए समाज में परस्पर सहयोग, भाईचारे और समानता की भावना को मजबूत किया जा सकता है। जयंती समारोह उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का भी अवसर है। इस मौके पर कैलाश चंद अग्रवाल, अमिताभ अग्रवाल, डॉ. ईश्वर शरण, अचल अग्रवाल, रेनू अग्रवाल, पूर्ति अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल और सज्जन गर्ग सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षक संतोष नेगी ने दो छात्राओं को दी साइकिल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने और उनकी राह आसान बनाने के उद्देश्य से राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार के शिक्षक संतोष सिंह नेगी ने सराहनीय पहल की है। उन्होंने नवरात्रि के प्रथम दिन विद्यालय की दो छात्राओं को साइकिल भेंट कर उन्हें बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। शिक्षक की इस पहल से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी, वहीं उनके परिवारों के परिवहन खर्च में भी कमी आएगी।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शिक्षक संतोष सिंह नेगी ने कक्षा छह की छात्रा वैष्णवी और कक्षा नौ की छात्रा वैशाली को साइकिल प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नवरात्रि का पर्व नारी शक्ति के विभिन्न स्वरूपों की आराधना का प्रतीक है। ऐसे शुभ अवसर पर बालिकाओं को प्रोत्साहित करना और उनकी शिक्षा में सहयोग देना सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि शिक्षा बालिकाओं के सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है।

छोटी-छोटी पहल भी उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। साइकिल मिलने से छात्राओं को स्कूल पहुंचने में सहूलियत होगी और उनके



बालिकाओं को साइकिल देते शिक्षक संतोष नेगी

अभिभावकों पर परिवहन का आर्थिक बोझ भी कम होगा। शिक्षक संतोष सिंह नेगी वर्ष 2016 से जरूरतमंद और मैधावी विद्यार्थियों को साइकिल वितरित करने का अभियान चला रहे हैं। अपने स्तर पर किए जा रहे प्रयासों और जनसहयोग के माध्यम से वह अब तक तीन लाख रुपये से अधिक मूल्य की साइकिलें विद्यार्थियों को भेंट कर चुके हैं। इस बार

चकबंदी नहीं होने पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: तहसील बीरेंखाल के ग्राम ग्वीन मल्ल में अनिवार्य चकबंदी के लिए चयनित होने के वर्षों बाद भी प्रक्रिया शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रेश है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से जल्द ही चकबंदी कार्य शुरू करने की मांग उठाई। ग्रामीणों ने जल्द मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी। ग्राम ग्वीन मल्ल में आयोजित बैठक में वरिष्ठ चकबंदी कार्यकर्ता मनवर सिंह रावत ने कहा कि पहाड़ों में खेती को व्यवस्थित करने और पशुधन का उपयोग के लिए चकबंदी आवश्यक है। सरकार को इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए। कहा कि यदि खेतों की चकबंदी कर दी जाए, तो ग्रामीण स्वयं रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं। बैठक में बिराणा के प्रधान कर्नल यशपाल नेगी ने कहा कि पहाड़ की कृषि में प्रदेश की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता है।

इसके लिए बेहतर नीतियों और व्यवस्थाओं की आवश्यकता है। गरीब ज़र्रति अभियान के संयोजन मंडल सदस्य बलवंत गुसाईं ने कहा कि चकबंदी पहाड़ की खेती के लिए महत्वपूर्ण है। सरकार को इस प्रक्रिया में हो रही देरी दूर कर जल्द काम शुरू करना चाहिए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चकबंदी शुरू करने की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी बीरेंखाल को जापान भेजा जाएगा। इसकी प्रतिनिधि जिलाधिकारी पौड़ी और मुख्यमंत्री को भी भेजी जाएगी। ग्रामीणों ने कहा कि चकबंदी को लेकर यदि शीघ्र का-र्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर बलवंत गुसाईं, कर्नल यशपाल नेगी, सुरजीत सिंह रावत, रणजीत सिंह रावत, धीरेंद्र सिंह रावत, दिनेश मद्दूला, सुनील सिंह, विनोद सिंह, मोहन रावत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और काशतकार मौजूद रहे।

बीआरओ की मरम्मत की खुली पोल, गंगोरी में फिट बढ़ाहल हुई सड़क



पड़ा। गंगोरी के अलावा तेखला, गंगोरी पुलिस चौकी और गंगोरी बस्ती के पास भी हाईवे पर गड्ढे बने हुए हैं। स्थानीय लोगों ने बीआरओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि गड्ढों को मिट्टी से भरकर केवल खानापूती की जा रही है।

यही वजह है कि कुछ समय बाद सड़क की हावत दोबारा खराब हो जाती है। लोगों ने हाईवे की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है। इस संबंध में बीआरओ के कमांडर से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

उत्तरकाशी। गंगोरी-संगमचट्टी मोटर मार्ग पर पिछले दस दिनों से पाइप लाइन टूटी है जिससे पानी गिरने के कारण सड़क धंस रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले सड़क बरसात के दौरान धंस गई थी वहीं अब पाइप लाइन के पानी के कारण धंसाव और बढ़ गया है। स्थिति यह है कि इससे स्कूल के वाहन न आने के कारण बच्चों को गंगोरी तक चार किमी की पैदल दूरी नापनी पड़ रही है। स्थानीय निवासी मान सिंह पंचर ने कहा कि गत दस दिनों से गंगोरी-संगमचट्टी मोटर मार्ग पर चिंचा के समीप पाइपलाइन टूटी होने के कारण वहां से सड़क पानी बह रहा है। इससे सड़क पर धंसाव बढ़ने के कारण वाहनों की आवाजाही में खतरा बना है।

अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी मिले टैबलेट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: उत्तरखण्ड माध्यमिक शिक्षक संघ ने अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को भी टैबलेट उपलब्ध कराने की मांग की है। संघ का कहना है कि डिजिटल शिक्षा के दौर में विद्यार्थियों के बीच विद्यालयों के आधार पर भेदभाव करना उचित नहीं है। सरकार को सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करते हुए अशासकीय विद्यालयों के छात्रों को भी नॉलेज बैंक योजना का लाभ देना चाहिए।

संघ के अनुसार, अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में बड़ी संख्या में गरीब, मध्यमवर्गीय और प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इन विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन कार्यक्रम के तहत चयनित 140 मैधावी विद्यार्थियों और बोर्ड परीक्षाओं की मेरिट सूची में भी अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। संघ ने कहा कि वर्तमान समय में टैबलेट विद्यार्थियों की पढ़ाई का महत्वपूर्ण साधन बन गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थी

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में उत्तरकाशी ने जीते 32 पदक

उत्तरकाशी। राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में उत्तरकाशी ने ओवरऑल तृतीय स्थान हासिल किया। इसमें मातली स्थित अजीम प्रेमजी स्कूल के खिलाड़ियों ने जूडो, ताइक्वंडो और कुश्ती में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 32 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों ने 14 स्वर्ण, सात रजत और 11 कांस्य पदक जीतकर विद्यालय और जिले का गौरव बढ़ाया। हाल ही में देहरादून में हुई राज्य स्तरीय खेल के ताइक्वंडो प्रतियोगिता में सागर, प्राची, सत्यम और अर्यन ने स्वर्ण पदक जीते। आरुषि चौहान ने रजत पदक हासिल किया, जबकि प्रिंस, सिमरन, अंशिका रावत, दिव्यांशी, शिवम, तुलिका और आदित ने कांस्य पदक अपने नाम किए। वहीं, जूडो में तुलिका, सिमरन, आद्युष, सागर और अर्यन ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।वहीं, प्राची, रीता, प्रिंस, आलोक और सोम ने रजत पदक हासिल किए। जबकि गुंजन ने कांस्य पदक जीता। कुश्ती में भी विद्यालय के खिलाड़ियों ने पदक जीतकर जिले की उपलब्धि में योगदान दिया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के जिला समन्वयक आलोक, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील बिष्ट, जिला खेल समन्वयक शूरवीर पंडियार और रमेश चौहान, चंदन कुंद्रा, हिमांशु जोशी ने खुशी जताते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी।

गाजणा—जलकुर घाटी के विकास पर हुआ मंथन

उत्तरकाशी। गाजणा जलकुर घाटी लोक सांस्कृतिक एवं पर्यटन विकास कार्यक्रम की पहली गोष्ठी आयोजित की गई। गाजणा—जलकुर घाटी की लोक संस्कृति के संरक्षण और पर्यटन विकास को लेकर बैठक में चर्चा हुई। कलौराम नौटियाल स्मृति फाउंडेशन सोसाइटी की ओर से आयोजित बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों और अन्य लोगों ने भाग लिया। बैठक में प्रस्तावित कार्याक्रम को लेकर चर्चा की गई। इसमें क्षेत्र की लोक संस्कृति, पारंपरिक रीति-रिवाजों, लोकगीतों, लोककृत्यों और धार्मिक एवं ऐतिहासिक विरासत को मंच देने पर जोर दिया गया। साथ ही स्थानीय पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देने, युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर विकसित करने व महिला समूहों, लोक कलाकारों और स्थानीय उत्पादकों को प्रोत्साहित करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं और आपसी समन्वय पर चर्चा करते हुए उपस्थित सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। आयोजन की व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन के लिए कुछ ग्राम प्रधानों का चयन भी किया गया।

पाइप लाइन टूटने से धंस रही है सड़क

उत्तरकाशी। गंगोरी-संगमचट्टी मोटर मार्ग पर पिछले दस दिनों से पाइप लाइन टूटी है जिससे पानी गिरने के कारण सड़क धंस रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले सड़क बरसात के दौरान धंस गई थी वहीं अब पाइप लाइन के पानी के कारण धंसाव और बढ़ गया है। स्थिति यह है कि इससे स्कूल के वाहन न आने के कारण बच्चों को गंगोरी तक चार किमी की पैदल दूरी नापनी पड़ रही है। स्थानीय निवासी मान सिंह पंचर ने कहा कि गत दस दिनों से गंगोरी-संगमचट्टी मोटर मार्ग पर चिंचा के समीप पाइपलाइन टूटी होने के कारण वहां से सड़क पानी बह रहा है। इससे सड़क पर धंसाव बढ़ने के कारण वाहनों की आवाजाही में खतरा बना है।

विधि—विधान के साथ बंद हुए लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट



ज्योतिर्मठ। हेमकुंड साहिब के सामने स्थित लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट रविवार को विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। सुबह सवा सात बजे पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के कपाट बंद किए गए। अब अगले वर्ष ग्रीष्मकाल में श्रद्धालु मंदिर में

दर्शन कर सकेंगे। समुद्रतल से करीब 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित लोकपाल लक्ष्मण मंदिर इन दिनों बर्फ से ढका हुआ है। कड़ाके की ठंड के बीच मंदिर के पुजारी मनीष पांडे ने सुबह विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इसके बाद मंदिर के कपाट शीतकाल के

लिए बंद कर दिए गए। शनिवार को ही हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे के कपाट भी शीतकाल के लिए बंद किए गए थे। मंदिर के पुजारी मनीष पांडे ने बताया कि मान्यता है कि भगवान लक्ष्मण ने शेषनाग के रूप में यहां तपस्या की थी। शारदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर मंदिर के कपाट बंद किए गए। इस दौरान मयंक चौहान, रूपेश चौहान और बसावर सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

हेमकुंड साहिब क्षेत्र में पसरा सन्नटा, लौटने लगे सेवादार
ज्योतिर्मठ। हेमकुंड साहिब और लक्ष्मण मंदिर के कपाट बंद होने के बाद घाटी में सन्नटा पसरने लगा है। वहीं पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बर्फबारी के कारण क्षेत्र में तापमान शून्य से नीचे पहुंच रहा है। करीब 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित हेमकुंड साहिब क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर से ढका हुआ है। कड़ाके की ठंड के बीच यहां का नजारा विहंगम बना हुआ है।

शारदीय नवरात्र पर मां शैलपुत्री की पूजा की



कर्णप्रयाग। शारदीय नवरात्र पर्व पर देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की। उमा देवी मंदिर में पुजारियों ने नवरात्र पाठ का शुभारंभ किया। सुभाषनगर स्थित मंदिर में उमा देवी सोसाइटी ने नवरात्र का आयोजन शुरू किया। जिलासू, सिमली, लंगसू, कंडार और

भट्टनगर के मंदिरों में भी विशेष पूजाएं हुईं। नौटी, कोटी, देवल और बषाणगढ़ी स्थित मंदिरों में भी अनुष्ठान किए गए। आचार्यों ने दुर्गा शप्तशती मंत्रों से महाभिषेक पूजाएं संपादित कीं। भक्तों ने देवी के दर्शन कर श्रृंगार सामग्री अर्पित कर सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

सुषमा सती का शोध अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित हुआ

ज्योतिर्मठ। जेपी विद्या मंदिर विष्णुपुरम की उप प्रधानाचार्य सुषमा सती का शोध लेख प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड इनोवेटिव रिसर्च के अक्टूबर अंक में प्रकाशित हुआ है। अंग्रेजी साहित्य में पीएचडी कर रही सुषमा का शोध लेख ह्यरीडिंग पोएट्री इन द कंटेंपररी क्लासरूम: फॉर्म रैमॉर्फिक इमेजिनेशन टू फॉस्टियन रिवलिज्मह शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। इसमें समकालीन कक्षाओं में कविता शिक्षण की प्रभावी पद्धतियों का विश्लेषण किया गया है। शोध में कविता को रटने और परीक्षा तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता, आलोचनात्मक चिंतन और वास्तविक जीवन से जुड़ाव विकसित करने का माध्यम बनाने पर जोर दिया गया है।

एचपीवी टीकाकरण में उत्तरकाशी ने हासिल किया शत—प्रतिशत लक्ष्य

उत्तरकाशी। बालिकाओं को भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के जोखिम से बचाने की दिशा में उत्तरकाशी ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के वर्ष 2026 के एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत जनपद में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की लक्षित सभी 2,821 बालिकाओं का टीकाकरण पूरा कर लिया गया है। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले गंभीर कैंसर में शामिल है और इसके प्रमुख कारणों में ह्यूमन पैपिलोमावायरस संक्रमण शामिल है। एचपीवी टीकाकरण इस संक्रमण से बचाव में मदद करता है और सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करने की महत्वपूर्ण रणनीति है। सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने बताया कि उनके मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की जिला एवं लोक स्तरीय टीमां के समन्वित प्रयासों, प्रभावी कार्ययोजना और प्रतिबद्धता से यह लक्ष्य हासिल हुआ है। उन्होंने जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. पीएस पोखरियाल, सहायक जिला प्रतिरक्षण अधिकारी सजय बिजलवान, प्रीति गौर, वैक्सिन कोवर्ड चेन मैनेजर एमपी भट्ट सहित सभी प्रतिरक्षण टीमां और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी।

गंगोत्री—यमुनोत्री यात्रा की रफ्तार सुस्त पड़ी



उत्तरकाशी/बड़कोट। बरसात थमने के बाद रफ्तार पकड़ने वाली गंगोत्री-यमुनोत्री धाम की यात्रा अब फिर धीमी पड़ने लगी है। पिछले एक सप्ताह से श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार गिरावट आने से दोनों धामों में रैनक कम होने लगी है। इसका सीधा असर यात्रा कारोबार पर दिखाई देने लगा है। यात्रा सीजन के अंतिम चरण में पहुंचने से पहले ही

होटल-ढाबों से लेकर घोड़ा-खच्चर संचालकों और मजदूरों तक की चिंता बढ़ गई है।

सितंबर के बाद गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में प्रतिदिन 10 से 15 हजार श्रद्धालु पहुंच रहे थे। इससे यात्रा कारोबार ने भी गति पकड़ ली थी लेकिन अब दोनों धामों में प्रतिदिन पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या घटकर महज चार से पांच हजार रह गई है। जानकीचट्टी से लेकर गंगोत्री यात्रा मार्ग तक कारोबार की रफ्तार धीमी पड़ने

लगी है। यात्रियों के भरोसे चलने वाले होटल-ढाबों और अन्य व्यवसायों में काम कम होने लगा है। घोड़ा-खच्चर संचालकों को भी पहले जैसी बुकिंग नहीं मिल रही है। वहीं, कामकाज घटने के चलते यात्रा मार्ग पर रोजगार करने पहुंचे मजदूर अब धीरे-धीरे अपने घरों को लौटने लगे हैं।

एसआईआर के विरोध में कांग्रेस ने फूंकवा आयुक्त का पुतला

चिन्थालीसोड़। एसआईआर के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और शहर कांग्रेस कमेटी चिन्थालीसोड़ के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एसआईआर को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की नीतियों और निर्णयों से आम जनता में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने एसआईआर और लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में निष्पक्षता और जनविश्वास बनाए रखना जरूरी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी जनहित से जुड़े मुद्दों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए



लगातार आवाज उठाती रहेगी। प्रदर्शनकारियों को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों और विरोध पर जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस का संघर्ष गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

जीएमवीएन के विश्राम गृह का संपर्क मार्ग बदहाल

आदिबदरी। जीएमवीएन के विश्राम गृह का संपर्क मार्ग बदहाल होने से पर्यटकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि संपर्क मार्ग पर कई बार वाहन फंस जा रहे हैं। इन्हें निकालने के लिए फिर दूसरे वाहन की मदद लेनी पड़ रही है। लोगों ने जल्द यहां संपर्क मार्ग निर्माण की मांग की। आदिबदरी मंदिर समिति के महासचिव हिमन्त कुंवर ने बताया कि संपर्क मार्ग से विश्राम गृह तक पर्यटकों के वाहन चले जाते हैं लेकिन मार्ग पर गड्ढे होने के कारण वह चढ़ नहीं पाते। गड्ढों में फिसलकर कई पर्यटक चोटिल भी हो चुके हैं। उन्होंने प्रशासन से संपर्क मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की। वहीं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रबंध जयकृत सिंह नेगी ने बताया कि संपर्क मार्ग पर इंटरलॉक टाइल लगाने के लिए उच्चाधिकारियों से पत्राचार किया जाएगा।

लिफ्ट सिंचाई योजना के उपकरण फिर हुए चोरी

नौगांव (उत्तरकाशी)। लघुडाल खंड की एक और लिफ्ट सिंचाई योजना में उपकरण चोरी होने का मामला सामने आया है। इसके साथ ही चोरी की घटनाओं से प्रभावित सिंचाई योजनाओं की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। इससे पहले चोर आठ लिफ्ट सिंचाई योजनाओं से मोटर, मोनोब्लॉक और केबल समेत अन्य उपकरण चोरी कर चुके हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था पर संकट गहराने लगा है। विभाग की ओर से अज्ञात के खिलाफ पुरोला थाने में तहरीर गई है। चोर लघुडाल खंड की पंप हाउस के ताले तोड़कर अब तक नौ पुरोला में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई है।

योजनाओं की सुरक्षा भी भगवान भरोसे है। इन योजनाओं पर भी चोरी का खराब मंडरा रहा है। उपकरण चोरी होने से प्रभावित योजनाओं में पानी की आपूर्ति ठप है। उन्होंने पुलिस से घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। उन्होंने बताया कि उनके जिला पंचायत वार्ड की तीन लिफ्ट सिंचाई योजनाओं से उपकरण चोरी हुए हैं। इससे सिंचाई प्रभावित हो रही है और कशतकार पानी की मांग कर रहे हैं। लघु सिंचाई खंड के सहायक अभियंता विपिन तोमर ने बताया कि चोरी से प्रभावित सभी योजनाओं के संबंध में थाना पुरोला में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई है।

डोबरा—नकोटखोली मोटर मार्ग पर शुरू हो बस सेवा



कंडीसौड(टहरी)। शैलधार ब्लॉक में डोबरा-नकोटखोली (कमांद) मोटर मार्ग पर बस सेवा नहीं होने से लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस 20 किमी रोड पर सीमित टैक्सियां चलने से लोगों को दो-

तीन किमी पैदल चंबा-धरासू हाईवे पर पहुंचना पड़ रहा है। जरूरी कार्य पड़ने पर ग्रामीणों को 50 रुपये की जगह पांच सौ में टैक्सी बुक करना पड़ रहा है। डोबरा-नकोटखोली मोटर मार्ग पर वर्षों बाद भी बस सेवा शुरू नहीं हो पाई है जिससे क्षेत्र के डोबरा, उप्पू, भिल्डियाना, डोंग, मटियाली, ल्वारखा, मंजोली, रत्वाड़ी, चोपड़ा और नकोट खोली के ग्रामीणों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र रंगड़, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख महावीर चंद सेमोला, भगवान सिंह राणा, सुमेर सिंह पंवार, नरथी चंद सेमोला और माधव त्रुड़ी ने बताया कि इस रोड पर डोबरा से आगे कोई बस सेवा नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस रोड पर सुबह-शाम सीमित टैक्सी सेवा के कारण दोपहर के समय ग्रामीणों को दो-तीन किमी की खड़ी चढ़ाई पैदल चलकर चंबा-धरासू हाईवे पर पहुंचना पड़ता है। क्षेत्र के लोगों ने डोबरा से नकोटखोली रोड पर नियमित बस सेवा शुरू करने की मांग की है।

आंदोलनकारियों ने कनस्तर बजाकर जताया आक्रोश

नई टहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण करने की मांग को लेकर गणेश चौक में मेडिकल कॉलेज संघर्ष समिति के बैनर तले 57वें दिन धरना व 41वें दिन क्रमिक अनशन जारी रहा। धरने पर बैठे लोगों ने प्रदेश सरकार का पुतला बनाकर उसके आगे कनस्तर बजाकर जगाने की कोशिश की।

बौराड़ी के गणेश चौक में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को रविवार को नसीम और इश्माद क्रमिक अनशन पर बैठे। समिति के संयोजक डॉ राजेश भूषण गोदियाल ने कहा कि धरना- प्रदर्शन को दो माह होने वाले हैं लेकिन शासन-प्रशासन और सरकार को टहरी में मेडिकल कॉलेज को लेकर संचालित

आंदोलन दिखाई नहीं दे रहा है। सरकार पर टहरी की लोगों की उषेक्षा करने का आरोप लगाया। बताया कि समिति की ओर से धरना स्थल पर प्रदेश सरकार का पुतला बनाकर रखा गया है जिसके सामने रोज सुबह कनस्तर बजाकर सौई सरकार को जगाने का काम किया जाएगा।

जल्द मेडिकल कॉलेज का शासनदेश जारी नहीं हुआ तो समिति आमजन का सहयोग लेकर आंदोलन को और तेज करेगी। इस मौके पर कमल सिंह महर, देवेंद्र नौडियाल, कुलदीप पंवार, लखवीर चौहान, शिवराज सजवाण, विश्वजीत नेगी, मुशरफ अली, संदीप रावत आदि मौजूद थे।

बदरीनाथ की यात्रा कर लौटी मां चामुंडा की डोली

रुद्रप्रयाग। खौनू कोटमाहेश्वरी क्षेत्र की आराध्य मां चामुंडा देवी की डोली बदरीनाथ धाम और वसुधारा की यात्रा पूरी कर 42 दिन बाद अपने क्षेत्र में लौट आई है। भंडार गृह पहुंचने पर माता की डोली ने भक्तों को दर्शन दिए। इसी के साथ मां चामुंडा की तीसरे चरण की दिवार यात्रा संपन्न हो गई। मां चामुंडा की डोली 15 साल बाद बदरीनाथ धाम पहुंची। इसके बाद डोली ने वसुधारा की यात्रा की। अपने क्षेत्र में लौटने पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने डोली का स्वागत किया। भंडार गृह पहुंचने पर भक्तों ने ह्यजय मां चामुंडाह और ह्यजय बदरीनाथह के जयकारे लगाए। मंदिर की परिक्रमा के बाद माता की डोली अपने निर्धारित स्थान पर विराजमान हो गई। दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। आचार्य पंडित सत्यानंद भट्ट ने बताया कि मां चामुंडा की यह तीसरे चरण की दिवार यात्रा थी।



चौथे चरण में माता की डोली खौनू क्षेत्र के गांवों का भ्रमण करेगी। इस मौके पर दिवार समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सतकारी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र

सिंह तिंदोरी, कीरत सिंह राणा, राजेंद्र देवशाली, अमित भट्ट, अनूप भट्ट और समिति के संरक्षक त्रिलोक सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

एक नजर

वॉकथॉन में हिमवीरों ने लिया फिट रहने का संकल्प

ज्योतिर्मठ। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की ओर से माउंटनिथरिंग एवं स्कीइंग संस्थान औली में वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इसमें आईटीबीपी औली के हिमवीरों और उनके परिवारों ने प्रतिभाग किया।

केंद्र सरकार के राष्ट्रव्यापी अभियान फिट इंडिया फोडम रन 7.0 के तहत आयोजित वॉकथॉन की थीम फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज रही। कार्यक्रम का उद्देश्य सीमा पर तैनात जवानों और उनके परिवारों में शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना है। वॉकथॉन के दौरान हिमवीरों ने फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया, स्ट्रोंगर इंडिया का नारा लगाते हुए प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा व्यायाम करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कमान अधिकारी प्रदीप भट्ट और सहायक सेनानी नरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि विषम परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले हिमवीरों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने नियमित व्यायाम को स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा बताया।

12 और 19 को प्रस्तावित जनता दरबार स्थगित

रुद्रप्रयाग। जिला कार्यालय सभागार में 12 और 19 अक्टूबर को प्रस्तावित साप्ताहिक जनता दरबार स्थगित किए गए हैं। अब अगला जनता मिलन कार्यक्रम दो नवंबर को आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन के अनुसार प्रत्येक सोमवार को होने वाला जनता दरबार अपरिहार्य कारणों से इस बार स्थगित किए गए हैं। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को दो नवंबर को जनता मिलन कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

हेली सेवाओं के प्रतीक्षा कक्षों में मिली कमी

रुद्रप्रयाग। केंदरनाथ यात्रा को लेकर प्रशासन ने जिले में संचालित हेली सेवाओं के हेलिपैड और कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कंपनियों के प्रतीक्षा कक्षों में बुकिंग के अनुरूप पर्याप्त व्यवस्थाओं की कमी मिली। यहां कुर्सियां पर्याप्त नहीं थीं और पानी की व्यवस्था भी नहीं थी। प्रशासन ने यहां व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए।जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देश पर एसडीएम रुद्रप्रयाग सोहन सिंह सैनी ने चिप्सन एविएशन के चारधाम हेलिपैड जाखबाघ, तहसीलदार रुद्रप्रयाग जगदीश सिंह नेगी ने ट्रांस भारत एविएशन, तहसीलदार बसुकेदार प्रवण एस. पांडेय ने थंबी एविएशन और तहसीलदार उखीमठ निशांत काम्बोज ने एरो एयरक्राफ्ट के हेलिपैड व कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यात्री सुविधाओं, टिकट बुकिंग एवं वितरण व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों की जांच की गई। इस दौरान हेली कंपनियों को मौसम या अन्य कारणों से उड़ान के समय में बदलाव होने पर यात्रियों के टिकटों के प्रतिस्थापन की उचित व्यवस्था करने के लिए कहा गया। साथ ही हेलिपैड पर सुक्ष्मा व्यवस्था मजबूत करने और यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

बाबा केदार बालक छात्रावास में अखंड रामायण पाठ शुरू

गुप्तकाशी। उत्तरांचल दैवी आपदा पीडित सहायता समिति की ओर से संचालित बाबा केदार बालक छात्रावास में शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन दो दिवसीय अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया। आयोजन में छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों के साथ विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। इस अवसर पर प्रांत सेवा प्रमुख पवन, जिला कार्यवाह शैलेंद्र गौड़, विधायक आशा नौटियाल, खंड सर चालक दलवीर, मंदिर समिति सदस्य प्रहलाद पुष्पवान, सुंदर दत्त नौटियाल, कालिका प्रसाद सेमवाल, दिनेश बगवाड़ी, भगत कोटवाल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त

समाचार

अमेरिका में इसाईस तूफान से भारी तबाही की आशंका, फ्लोरिडा-अलबामा संवेदनशील

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तूफान इसाईस तेजी से मजबूत हो रहा है। फ्लोरिडा और अलबामा तट की ओर बढ़ रहा यह तूफान श्रेणी 3 का है। तूफान शुक्रवार रात तक (स्थानीय समय) लैंडफॉल कर सकता है। देश के नेशनल हरिकेन सेंटर ने समुद्र में 6 से 9 फीट ऊंचे तूफान के उछाल की चेतावनी दी है। तेज हवाएं, बाढ़ और बवंडर भी आ सकते हैं। घरों की सुरक्षा के लिए निवासियों ने जनरेटर तैयार किए। उन्होंने बाथटब में पानी भरा और रेत की बोरियां भी भरीं। फ्लोरिडा के राज्यपाल रॉन डि-सैंटिस ने बिजली कटौती और गैस की कमी की आशंका जताई। तूफान 193 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से आगे बढ़ रहा है।

फ्रांस में भारतीय युवक को 20 साल की सजा

पेरिस , एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने 29 वर्षीय भारतीय रोहन राणे को लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचारों में शामिल समूह का नेतृत्व करने के लिए 20 साल की जेल की सजा सुनाई। राणे ने डिस्कॉर्ड पर यह समूह बनाया था, जिसमें अमेरिका, जर्मनी और न्यूजीलैंड के युवक शामिल थे। जांच में 20 से अधिक पीड़िताएं मिलीं, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं। पेरिस, एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय युवक को 20 साल की जेल की सजा सुनाई। उस पर पुरुषों के एक ऐसे समूह के नेतृत्व का दोषसिद्ध हुआ है, जो नाबालिगों समेत कई लड़कियों के यौन शोषण और अत्याचार में शामिल था। जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय रोहन राणे ने सोशल मीडिया मंच ‘डिस्कॉर्ड’ पर एक समूह बनाया था। इसमें अमेरिका, जर्मनी, न्यूजीलैंड के कई युवा शामिल थे। सरकारी वकील के अनुसार, इस समूह में शामिल पुरुष लड़कियों को झारों में लेकर फंसाते थे। बाद में उनके साथ हिंसा और यौन गतिविधियों के लिए मजबूर किया जाता था। इस गिराव का खुलासा तब हुआ, जब कुछ समय पहले छह युवतियों ने आधिकारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में 20 से अधिक पीड़िताओं की जानकारी मिली, जिनमें अधिकतर नाबालिग थीं।

अमेरिका: ट्रंप ने केटी जकारिया को चुना व्हाइट हाउस का अगला प्रेस सचिव, कैरोलिन लेविट की लेंगी जगह

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी मीडिया कंपनी की संचार सलाहकार केटी जकारिया व्हाइट हाउस की अगली प्रेस सचिव होंगी। वह कैरोलिन लेविट की जगह लेंगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्वि सोशल पर जकारिया के नाम का ऐलान किया। वह अक्सर इस मंच पर राजनीतिक और आधिकारिक घोषणाएं करते हैं। जकारिया, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप के लिए रूढ़िवादी विचारों वाली टिप्पणीकार है। यही कंपनी सोशल मीडिया साइट का संचालन करती है। जकारिया को इस पद के लिए चुनते हुए ट्रंप ने उन्हें ‘शुरुआत से ही एक वाफादार और प्रतिभाशाली समर्थक’ बताया। जकारिया ने इस साल की शुरुआत में कुछ समय के लिए गुह सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता के रूप में काम किया था। वह फॉक्स न्यूज और न्यूजमेक्स के लिए भी टिप्पणीकार रही हैं। ट्रंप ने कहा कि जकारिया उनके राष्ट्रपति चुनाव अभियानों से जुड़ी रही हैं। खास तौर पर उन राज्यों में, जहां चुनावी मुकाबला कड़ा था। जकारिया से इस बारे में प्रतिक्रिया मांगी गई थी, लेकिन तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। लिंवड्डन पर मौजूद उनकी प्रोफाइल के अनुसार, उन्होंने पेपरड्राइन यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री हासिल की है। कैरोलिन लेविट ने 12 अगस्त को पद छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने 27 अगस्त को यह पद छोड़ दिया। फॉक्स न्यूज नेटवर्क ने सोमवार को बताया कि लेविट 1 नवंबर से फॉक्स न्यूज चैनल पर कार्यक्रमों में योगदान देने वाली विशेषज्ञ के रूप में काम करेंगी। लेविट जनवरी 2025 में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव बनी थीं। उन्होंने बताया था कि वह अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए यह पद छोड़ रही हैं। व्हाइट हाउस में काम करने से पहले लेविट, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में ट्रंप की राष्ट्रीय प्रेस सचिव थीं।

पनामा में भूकंप के दो शक्तिशाली झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.7 और 6.6, कई इमारतें गिरीं

पनामा सिटी (पनामा), एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश पनामा में शुक्रवार को दो शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए, पहले 7.7 तीव्रता के भूकंप से झटकों से लोग हिल गए, उसके बाद 6.6 तीव्रता का एक और झटका लगा। लगातार भूकंप के झटकों से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग घबरा गए,जानकारी मिली है कि कई इमारतें गिर गई हैं. हालात को देखते हुए लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है. सोशल मीडिया ‘एक्स’ पर शेयर की गई एक पोस्ट में, नेशनल सेंटर फॉर सेस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप 9 अक्टूबर को रात 11:26 बजे 10 किलोमीटर

की गहराई पर आया. दी गई जानकारी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र पनामा सिटी, पनामा से 206 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था. इस बीच, पनामा में अमेरिकी दूतावास ने बताया कि 9 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:56 बजे पनामा के ला पितालोजा में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र पितालोजा अरिबा से लगभग 14 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था. दूतावास ने चेतावनी दी कि नुकसान पहुंचाने वाले भूकंप के झटके और आ सकते हैं. उसने यह भी कहा कि अमेरिकी सुदामी चेतावनी प्रणाली ने कोस्टा रिका, अल साल्वाडोर, पेरू, मैक्सिको, क्वाटेमाला, पनामा, निकारागुआ,



कोलंबिया और इक्वाडोर के लिए संभावित सुनामी की चेतावनी जारी की है. दूतावास ने कहा कि तट के पास तेज और असामान्य धाराएं और अचानक पानी का तेज बहाव (सर्जेंस) हो सकता है.इसके साथ ही, प्रभावित इलाकों में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी गई कि वे क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहें और ताजा

जानकारी के लिए स्थानीय आपातकालीन प्रसारण और आधिकारिक निर्देशों पर नजर रखें. दूतावास ने लोगों से कहा कि वे नुकसान वाली जगहों पर न जाएं और क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश करने से बचें. साथ ही, तटीय इलाकों में रहने वालों को ऊंचे स्थानों पर जाने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों

का पालन करने की सलाह दी गई. इसके अलावा, लोगों को बिजली और संचार व्यवस्था ठप होने की संभावना के लिए तैयार रहने को भी कहा गया. अभी तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक भूकंप का असर राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया है. लोग डर के चलते घरों से बाहर आ गए और खुले स्थानों पर आकर तमाम जानकारीयों का इंतजार करने लगे. अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, सीबीएस न्यूज ने रिपोर्ट किया कि शुक्रवार की सुबह पनामा के दक्षिणी छोर के पास 7.7 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे राजधानी में 100 मील से

अधिक दूर तक इमारतें हिल गईं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके बाद दिन में कई झटके आए और फिर 6.6 तीव्रता का एक और शक्तिशाली भूकंप आया। दो शक्तिशाली भूकंप के बाद पनामा के लोगों में दहशत का माहौल है। भूकंप का असर पनामा की राजधानी पनामा सिटी तक महसूस किया गया। भूकंप से कई इमारतों को नुकसान हुआ। लोगों के घरों की दीवारों पर दरारें पड़ गईं। लोग डर के कारण घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। रात भर लोग खुले स्थानों पर खड़े रहे। लोग सुबह तक घरों के बाहर ही रहे और हालात की जानकारी का इंतजार करते रहे।

नॉर्वे पर भड़के हैं ट्रंप: बोले-आठ बार युद्ध रोकने के लिए मिलना चाहिए था नोबेल



कई अन्य मामलों को सुलझाया. मैं इस महिला के बारे में कुछ नहीं जानता और न ही कोई और जानता है।' ट्रंप ने आगे कहा, 'सच तो यह है कि मेरी जानकारी के मुताबिक, कोई भी उनके बारे में इसके अलावा कुछ नहीं जानता कि वह बहुत साफ तौर पर इजरायल से नफरत करती हैं.' ट्रंप ने नोबेल कमेटी की आलोचना करते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को मेरे जरिए यह पुरस्कार मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. यह नॉर्वे पर एक ऐसा बदनुमा और अमिट दाग है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा. उन्होंने आरोप लगाया कि नोबेल शांति पुरस्कार को कुछ मुद्दे भर कट्टरपंथी विचारकों ने हमशा के लिए बदनाम कर दिया है, जो लोकतंत्र के विरोधी और सभ्यता के दुश्मन हैं. ट्रंप ने गिनाए वो '8 युद्ध' जिन्हें सुलझाने का किया दावा डोनाल्ड ट्रंप ने उन 8 अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की पूरी

सूची भी साझा की, जिन्हें उन्होंने पूरी तरह शांत करने का दावा किया है. ट्रंप के मुताबिक, इन देशों के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों ने खुद नॉर्वे की नोबेल कमेटी को पत्र भेजकर उनके योगदान की तारीफ की थी. ट्रंप द्वारा गिनाए गए 8 विवाद इस प्रकार हैं: कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और रवांडा, पाकिस्तान और भारत, इजरायल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया, आर्मेनिया और अजरबैजान, इजरायल और हमास ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने इजरायल में सभी बंधकों को वापस लाया, जिसमें जीवित और मृत दोनों मिलाकर आखिरी 28 बंधक शामिल थे, और ऐसा करने के लिए उन्होंने सीधे हमास के साथ काम किया. उन्होंने कहा कि दो और बड़े मौकों-ईरान और रूस-यूक्रेन विवाद को भी वह बहुत जल्द सुलझाने या जीतने वाले हैं. इसके साथ ही उन्होंने उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और ताइवान के क्षेत्रों में भी तनाव को रोकने का श्रेय लिया. ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जिन युद्धों को मैंने सुलझाया, उनमें कभी संयुक्त राष्ट्र से बात नहीं की, क्योंकि वे किसी काम के नहीं थे. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने किया ट्रंप का समर्थन अमेरिकी राष्ट्रपति के इस गुस्से के बीच पाकिस्तान के

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों का खुला समर्थन किया है. शहबाज शरीफ ने दोहराया कि पाकिस्तान ने ट्रंप के उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए आधिकारिक तौर पर उनका नाम नामांकित किया था. पाकिस्तानी पीएम ने उम्मीद जताई कि शांति को बढ़ावा देने के ट्रंप के इन प्रयासों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी. भारत ने ट्रंप के दावों को किया खारिज एक तरफ जहां ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को सुलझाने का श्रेय ले रहे हैं, वहीं नई दिल्ली (भारत) ने ट्रंप के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है. भारत ने हमेशा की तरह साफ किया है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में किसी भी बाहरी मध्यस्थता की कोई भूमिका नहीं थी. भारतीय अधिकारियों के अनुसार, यह सीजफायर पूरी तरह से द्विपक्षीय (दोनों देशों के बीच) बातचीत का नतीजा था. पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था. भारतीय सेना के इस कड़े एक्शन के बाद, जब पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के लॉन्च पैड पूरी तरह ध्वस्त हो गए।

अमेरिकी नौकरी विदेश भेजी तो लगेगा भारी टैरिफ, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की कंपनियों को चेतावनी



वांशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि जो कंपनियां अमेरिकी नौकरियां विदेशों में ले जा रही हैं या अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कानूनी अप्रवासियों को रखेंगी, उन्हें भारी टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करना और देश में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। ओहायो के लीमा शहर में एक रिपब्लिकन मिडटम चुनावी रैली को संबोधित करते हुए वेंस ने कहा कि जो कंपनियां अमेरिका में उत्पादन करेंगी और अमेरिकी नागरिकों को रोजगार देंगी, उन्हें सरकार प्रोत्साहन देगी। वहीं, जो कंपनियां अपने कारखाने और नौकरियां विदेश भेजेंगी, उन्हें सजा के तौर पर टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वेंस ने कहा कि अगर आप अमेरिका में सामान बना रहे हैं और अमेरिकी

अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा की बात करते हुए कानूनी अप्रवासियों का भी स्पष्ट रूप से जिक्र किया। हालांकि, उपराष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि कानूनी अप्रवासियों को रोजगार देने वाली कंपनियों पर किसी नए टैरिफ को कैसे लागू किया जाएगा या ऐसी कोई नई नीति कब लाई जाएगी। इसके बावजूद उनकी टिप्पणियों से यह साफ संकेत मिला कि प्रशासन रोजगार के मामले में अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिकता देने और कंपनियों को अमेरिका के भीतर उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। हालांकि अगर आप अमेरिकी नौकरियां विदेश भेज रहे हैं, अपना कारखाना किसी विदेशी कंपनी को स्थानांतरित कर रहे हैं या बाद में अमेरिकी कर्मचारियों की जगह किसी कानूनी अप्रवासी को रखने की कोशिश कर रहे हैं, तो आपको क्या मिलेगा? भारी टैरिफ। वेंस की यह टिप्पणी इसलिए अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने

उन्होंने अपनी आंखों के सामने फैक्ट्रियां बंद होते और नौकरी जाने के बाद परिवारों को संघर्ष करते देखा है। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि जब मां या पिता अपनी नौकरी खो देते हैं तो परिवारों पर उसका क्या असर पड़ता है।' वेंस का कहना था कि सरकारी नीतियां ऐसी होनी चाहिए जो कंपनियों को विदेशों में नौकरियां भेजने के बजाय अमेरिका में निवेश और उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा, 'हम अपने लोगों के लिए लड़ेंगे।' उपाध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि प्रशासन की आर्थिक नीतियों के कारण खरबों डॉलर का निवेश आया है और मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र में नई नौकरियां पैदा हुई हैं। वेंस ने ओहायो में ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस और दवा कंपनियों के प्रस्तावित निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि इससे अमेरिका में विनिर्माण गतिविधियां बढ़ेंगी।

ट्रंप ने पुतिन से की बड़ी डील, डीजल समझौते पर जेलेंस्की बोले- युद्ध के बीच निवेश जारी

वांशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को लेकर बड़ा ऐलान किया है- उन्होंने कहा कि रूस अमेरिका को 3,00,000 मीट्रिक टन से ज्यादा डीजल की सप्लाई करने जा रहा है. उन्होंने कहा कि यह सप्लाई तुरंत की जाएगी. बता दें, ट्रंप प्रशासन अगले महीने 3 नवंबर को होने वाले मध्यवर्ष चुनाव से पहले ईंधन की बढ़ते दामों को कम करने के प्रयास में जुटा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को रूस के साथ हुई डीजल डील को 'बड़ी डील' बताया और अमेरिका को 'भारी मात्रा' में डीजल की आपूर्ति करने पर सलाहित जताने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का धन्यवाद भी किया. ट्रंप ने न्यूयॉर्क के सिरैक्यूज में मिड-टर्म चुनाव प्रचार के लिए जाने से पहले व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि मुझे लगता है कि आपने



सप्लाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सप्लाई और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी कंट्रोल से अमेरिकियों और पूरी दुनिया के लिए डीजल की कीमतें तेजी से और रिकॉर्ड स्तर पर कम होंगी. उन्होंने अमेरिकियों, खासकर किसानों, पशुपालकों और ट्रक ड्राइवरों के लिए कीमतें कम करने को अपनी 'सबसे बड़ी प्राथमिकता' बताया और फिर से कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा. वहीं, अमेरिका की रूस से इस डील पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलाडिमिर जेलेन्स्की ने प्रतिक्रिया दी है. जेलेन्स्की ने तनाव कम करने के किसी समझौते के बिना मॉस्को पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने की आलोचना की. सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में, जेलेन्स्की ने रूस के खिलाफ और कड़े प्रतिबंध लगाने, यूक्रेन को लगातार समर्थन देने और संघर्ष को खत्म करने के लिए मॉस्को पर और ज्यादा दबाव बनाने की मांग की. उन्होंने लिखा कि शांति कभी भी कमजोरी से नहीं आती. आज अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधि दोनों पार्टियों के नेताओं का एक दल कीव में थे।

यूएनमें भारतीयनारी शक्ति: सांसदने पाकिस्तानकोदिखाया आईना; प्रिया सरोज बोलीं- अपराध पर जीरो टॉलरेंस

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत की दो महिला सांसदों ने अलग-अलग मुद्दों पर देश का पक्ष रखा। महिला कुमारी मेवाड़ ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के बयान का जवाब दिया, जबकि प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और मिशन पर तैनात विशेषज्ञों के अपराधिक आचरण और जवाबदेही का मुद्दा उठाया। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दोनों सांसदों के बयानों की जानकारी साझा की।

महिमा कुमारी ने पाकिस्तान पर क्या आरोप लगाए : संयुक्त राष्ट्र की चौथी समिति में उपनिवेशवाद से जुड़े मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान के जवाब में महिमा कुमारी ने भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के मंच का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर को लेकर झूठ और गलत जानकारी फैलाने के लिए कर रहा है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पाकिस्तान को ऐसा करने से बचना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर पर भारत ने क्या दोहराया : महिमा कुमारी ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और उनके सहयोगियों ने अपने बुनियादी अधिकारों, आजादी और जरूरी सुविधाओं की मांग कर रहे दर्जनों निर्दोष नागरिकों की हत्या की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही, चुनावों में धांधली,

लोकप्रिय निर्वाचित नेताओं को जेल में डालने, धार्मिक कट्टरपंथ और सरकारी नीति के तौर पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर उपदेश देने से बचने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा।

प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र में कौन-सा मुद्दा उठाया : प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की छठी समिति में एजेंडा आइटम 75 पर भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और मिशन पर तैनात विशेषज्ञों की अपराधिक जवाबदेही से जुड़ा था। उन्होंने कहा कि भारत कर्मचारियों के अपराधिक आचरण और कदाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है। उन्होंने जवाबदेही तय करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और सदस्य देशों के बीच मजबूत सहयोग तथा प्रभावी व्यवस्था बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा पर क्या कहा : प्रिया सरोज ने कहा कि जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन और पीड़ितों गवाहों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को विश्वसनीयता मजबूत करने, सदस्य देशों के साथ सहयोग बढ़ाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।



काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों ‘वरुणा’ और ‘असि’ के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम ‘वाराणसी’ पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदूरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।



विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कणी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ ‘शिवलोक’ नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को ‘काशी’ कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेश की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेश की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यूथा की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल

पर शोभायमान रहती हैं।

- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।



- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घंटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमान नाद आकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1. गरुड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4. घंटा।
- गरुड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुद के नाम पर है गुरुद घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रातः और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं – 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंद्रुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ‘‘अष्टसखी’’ कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेधा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकणी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विष्णु पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकौली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बड़ी है तुंग विद्या।



कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवतः इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अतः कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपको सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरु महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरु महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबुत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की दूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है। चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है। चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे:

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरुष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता है।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।



चुनावी धांधली और एसआईआर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

देहरादून। चुनावी धांधली, मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरोध में रविवार को धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आईएसबीटी के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदेश महासचिव वीरेंद्र पोखरियाल, प्रदेश उपाध्यक्ष लालचंद शर्मा और पूर्व पार्षद रमेश कुमार हार्मगुह्म के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची की निष्पक्षता, चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की मांग उठा-ई।

मतदाता सूची की निष्पक्षता पर उठाए सवाल
प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव व्यवस्था पर निर्भर करती है। मतदाता सूची से जुड़े सवालों का



समाधान किया जाना चाहिए, ताकि नागरिकों का चुनाव प्रक्रिया पर विश्वास बना रहे। नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को सवाल पूछने, असहमति व्यक्त करने और संवैधानिक

संस्थाओं से जवाब मांगने का अधिकार है। उन्होंने रकफ प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां व्यक्त करते हुए चुनाव व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

जनता के मत का सम्मान

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मंदिरों में रही रौनक

ऋषिकेश। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर बाजारों में सुबह से ही रौनक देखने को मिली। नवरात्रि के पहले दिन सुबह से ही घाट रोड बाजार, मुखर्जी मार्ग, क्षेत्र रोड, तिलक रोड, पुष्कर मंदिर मार्ग आदि बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी है। पूजा-सामग्री माता की चौकी, चुनरी, कलावा, धूप-बत्ती, और कलश स्थापना की आवश्यक सामग्री के लिए दुकानों में भीड़ लगी रही। नवरात्रि के नौ दिनों के उपवास को ध्यान में रखते हुए लोगों ने बाजारों में सिंघाड़े का आटा, साबूदाना, मखाना, और व्रत में खाए जाने वाले फलों की खरीदारी की। वहीं शहर के प्रमुख मंदिरों की भी भव्य रूप से सजाया गया है।

जरूरी : वीरेंद्र पोखरियाल
प्रदेश महासचिव वीरेंद्र पोखरियाल ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का मत सर्वोपरि है और चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास बनाए रखना बेहद जरूरी है। मतदाता सूची की निष्पक्षता और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर उठ रहे सवालों का उचित समाधान किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का संवैधानिक अधिकार है। चुनाव प्रक्रिया से संबंधित शिकायतों और आशंकाओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा : लालचंद शर्मा
प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड कांग्रेस का यह प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए चलाए जा रहे संघर्ष का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जब भी लोकतंत्र

और संविधान के मूल्यों को लेकर सवाल खड़े होंगे, कांग्रेस जनता के मुहों को उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवाज बुलंद करना जरूरी है। कांग्रेस कार्यकर्ता, लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अपना विरोध जारी रखेंगे।

एसआईआर के विरोध में आगे आने की अपील
पूर्व पार्षद रमेश कुमार मंगू ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले नागरिकों से रकफ प्रक्रिया को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति और शांतिपूर्ण विरोध का महत्वपूर्ण स्थान है। संविधान की रक्षा और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उठने वाली जनआवाज को महत्व दिया जाना चाहिए।

सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लिया भाग

पुतला दहन कार्यक्रम में पुष्पा पंवार, पार्षद मुकीम, पार्षद एतात खान, पार्षद जाहिद अंसारी, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष महिपाल शाह, सुलेमान अली, पूर्व पार्षद मोहन गुरुंग, अनिल थापा, हरेंद्र गुसाई, सुभाष घसमाना, सलीम, मुकेश चौहान, विलियम, सत्री कंसल, सिद्धार्थ वर्मा, वनाजिर खान, संजय थापा, मानवेन्द्र सिंह, अमन सिंह, हेमंत अरोठी, मोहम्मद जमाल, सीताराम नौटियाल, देवेन्द्र पाल सिंह, आजुजुद्दीन सिद्दीकी, गिरीश चंद सुन्दिवाल, पीयूष गौड़, वीरेंद्र नेगी, दिनेश चौहान, यशपाल धीमान, विशाल मौर्वे, रामकिशन यादव, सुमन गुरुंग, आदर्श सूद, जमाल, नवीन, चंद्र बहादुर, डी.एस. छेत्री, पुनीत कुमार, चंदन सिंह, प्रदीप थापा और मोहम्मद फ़ैसल सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदर्शन के समापन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची की निष्पक्षता, चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

चकराता में गैस सिलेंडरों में कम वजन मिलने पर हंगामा

चकराता (देहरादून)। उत्तराखंड के चकराता क्षेत्र में घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडरों में निर्धारित मात्रा से कम गैस मिलने के आरोपों ने हलचल मचा दी है। सिलेंडरों में कम वजन होने के दावों को लेकर स्थानीय व्यापारियों और लोगों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने गैस वितरण व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कालाबाजारी की आशंका जताई और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

स्थानीय स्तर पर लगाए गए आरोपों के अनुसार, कुछ गैस सिलेंडरों में करीब 3 से 4 किलोग्राम तक गैस कम होने का दावा किया गया है। यदि जांच में इन आरोपों की पुष्टि होती है, तो यह उपभोक्ताओं के हितों से जुड़ा गंभीर मामला हो सकता है। हालांकि, गैस की वास्तविक मात्रा और कथित अनियमितता की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

व्यापारियों में नाराजगी, कारोबार पर पड़ सकता है असर

स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, कमर्शियल गैस सिलेंडर होटल, रेस्टोरेंट, छावों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालन के लिए बेहद



जरूरी है। ऐसे में यदि सिलेंडरों में निर्धारित मात्रा से कम गैस मिलती है, तो कारोबारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने मांग की है कि गैस की आपूर्ति और वितरण प्रक्रिया की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए।

सिलेंडरों में कथित तौर पर कम गैस मिलने

के मामले में स्थानीय लोगों ने कालाबाजारी की आशंका भी जताई है। लोगों का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति में किसी स्तर पर गड़बड़ी हो रही है, तो इसकी जिम्मेदारी तब की जानी चाहिए। हालांकि, कालाबाजारी या किसी अन्य अनियमितता की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

संक्षिप्त समाचार लंगूर के झपटने से सड़क पर गिरा बालक, एम्स में भर्ती

यमकेश्वर। विकासखंड के तंगर गांव में शुक्रवार को अचानक झपटने से घबराकर सड़क पर गिरने से 11 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बेहोशी की हालत में उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र यमकेश्वर ले जाया गया। वहां उसकी स्थिति चिंताजनक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया। एम्स में एमआरआई जांच के दौरान उसके सिर में खून का थक्का जमने की पुष्टि हुई है। फिलहाल किशोर का उपचार जारी है।11 वर्षीय शिवांशु पुत्र सतीश निवासी बगोड़ गांव इन दिनों अपनी नानी के घर तंगर आया हुआ था। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे वह खाद्य सामग्री लेकर सड़क पर जा रहा था। इसी दौरान अचानक एक लंगूर ने उस पर झपट्टा मार दिया। घबराकर वह सड़क पर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोग उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र यमकेश्वर ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया। एम्स में कराई गई एमआरआई जांच में उसके सिर में खून का थक्का जमने की बात सामने आई। उसका उपचार चल रहा है। लालचंद रंज के वन क्षेत्राधिकारी अनुराग जोशी ने बताया कि लंगूर के झपटने से घबराकर सड़क पर गिरने से घायल हुए बालक का एम्स ऋषिकेश में उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि वन विभाग की टीम एम्स ऋषिकेश में मौजूद है।

खच्चर का उत्पात, लोगों को काटकर किया घायल

ऋषिकेश। शहर में निराश्रित पशुओं का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार सुबह एक निराश्रित खच्चर ने रेलवे स्टेशन और हीरालाल मार्ग पर जमकर उत्पात मचाया। खच्चर ने दोनों स्थानों पर राह चलते नौ से 10 लोगों को काटकर घायल कर दिया। घायलों को राजकीय उपजिला चिकित्सालय में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना ने शहर में निराश्रित पशुओं की समस्या और नगर निगम की कार्रवाई पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। रविवार सुबह करीब 10 बजे खच्चर ने ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर लोगों पर हमला कर दिया। स्थानीय दुकानदारों ने कड़ी मशकत के बाद उसे वहां से खदेड़ा लेकिन कुछ देर बाद उसने हीरालाल मार्ग स्थित पीपल के पेड़ के पास कई लोगों को घायल कर दिया। करीब 11 बजे स्थानीय लोगों ने रस्सी की मदद से खच्चर पर काबू पाया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। स्थानीय निवासी विनोद करपन ने बताया कि हीरालाल मार्ग पर पिछले कई वर्षों से निराश्रित सांडों की समस्या बनी हुई है। इनके हमलों के कई लोग घायल हो चुके हैं और वाहन भी क्षतिग्रस्त हैं। मार्ग पर दिनभर पशुओं में उमड़ाई से यातायात प्रभावित होता है और दुकानदारों व राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने निराश्रित पशुओं की समस्या पर नगर निगम से प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

किसानों को धान की फसल काटने का नहीं मिल रहा मौका

जौलीग्राम्ट। पिछले करीब एक हफ्ते से खराब मौसम के कारण धान के किसानों को अपनी फसल काटने और सुखाने का मौका नहीं मिल रहा है। इस कारण धान की फसल चौपट होने की कगार पर है। रविवार शाम भी क्षेत्र में तेज बारिश हुई। कृषि विभाग के किसी भी अधिकारी की ओर से अभी तक फसल के नुकसान का सर्वे किए जाने की जानकारी सामने नहीं आई है। इससे किसानों में आक्रेश है। पिछले करीब एक हफ्ते से लगभग हर रोज बारिश, तेज हवाएं चलने से धान, गन्ना और मंडुवे की फसल प्रभावित हुई है। किसानों के खेतों में धान की फसल पककर तैयार खड़ी है। किसान मौसम साफ होने के इंतजार में हैं लेकिन एक हफ्ते से लगातार हो रही बारिश और तेज हवाएं चलने से किसानों को अपनी फसल काटने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में फसल खेतों में ही खराब हो रही है। किसान ज्ञान किशोर शर्मा ने कहा कि बारिश व तेज हवाओं से करीब 30 फीसदी फसल की बालियां खेतों में ही गिर चुकी हैं जिससे किसान काफी मायूस हैं। राजकुमार पंडीर ने कहा कि इस बार उन्होंने अपने खेत में उन्नत प्रजाति के धान की रोपाईं करवाई थी जिससे फसल काफी अच्छी थी।

ग्राम सभा की जमीन पर सीवर टैंक बनाने का आरोप

मसूरी/देहरादून। विकास कार्यों की प्राथमिकताओं और ग्राम सभा की जमीन के कथित इस्तेमाल को लेकर मसूरी-देहरादून मार्ग पर कुठाल गेट के निकट स्थित बागरियाल गांव में विवाद सामने आया है। ग्रामीणों ने उत्तराखंड सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी पर ग्राम सभा की जमीन पर सीवर टैंक बनवाने और करीब 22 बीघा जमीन तक जाने वाले रास्ते को बंद करवाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस कथित कार्रवाई से आवागमन प्रभावित हो रहा है और उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, जिस स्थान पर सीवर टैंक बनाया गया है, वह ग्राम सभा की जमीन है। उनका आरोप है कि टैंक निर्माण के कारण करीब 22 बीघा जमीन तक पहुंचने वाला रास्ता बाधित हो गया है। ग्रामीणों ने इस मामले में संबंधित विभागों को कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए रास्ते को पूर्ववत खोलने और कथित अतिक्रमण की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक उपयोग की जमीन और रास्तों से जुड़े मामलों में प्रशासन को निष्पक्षता के साथ कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि स्थानीय लोगों के अधिकार और आवागमन



प्रभावित न हों।

अधिकारी के भवन तक सीसी मार्ग बनाने पर भी सवाल
ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की ओर से

संबंधित अधिकारी के आवास तक सीसी मार्ग का निर्माण कराया गया है। उनके मुताबिक, उसी स्थान पर बहुमंजिला भवन का निर्माण कार्य भी चल रहा है। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि क्षेत्र में सड़क निर्माण की आवश्यकता थी, तो आम लोगों की

नवरात्रि पर मंदिर में मिली छह माह की मासूम



हल्द्वानी। उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी में आंबेडकर नगर, बरेली रोड स्थित एक मंदिर परिसर में छह माह की मासूम बच्ची अकेली मिलने का मामला सामने आया है। बच्ची के रंगे की आवाज सुनकर मौके पर पहुंची एक महिला

ने उसे गोद में उठाया और सीने से लगाकर शांत करवाया। काफी देर तक बच्ची के परिजनों का पता नहीं चलने पर महिला ने डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और बाल कल्याण समिति की टीम ने बच्ची को संरक्षण में लेकर उसकी देखभाल की व्यवस्था की। फिलहाल मासूम शिशु सदन में है, जहां उसकी सेहत और अन्य जरूरतों का ध्यान रखा जा रहा है।

मंदिर परिसर में रोती मिली मासूम

जानकारी के अनुसार, शनिवार को आंबेडकर नगर क्षेत्र में स्थित मंदिर परिसर में बच्ची के रंगे की आवाज सुनाई दी। वहां मौजूद एक महिला ने जब बच्ची को अकेला देखा तो वह तुरंत उसके पास पहुंची और उसे गोद में उठा लिया। महिला ने बच्ची को अपने सीने से लगाकर

शांत करवाया। आसपास मौजूद लोगों ने भी बच्ची के परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक कोई उसके संबंध में जानकारी देने के लिए सामने नहीं आया।

इसके बाद महिला ने मामले की गंभीरता को देखते हुए डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। बच्ची की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागों को भी सूचित किया गया।

बाल कल्याण समिति ने संभाली जिम्मेदारी
मामले की जानकारी मिलने पर बाल कल्याण समिति की टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को अपने संरक्षण में लिया। इसके बाद उसे चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बच्ची को सर्दी लगने की शिकायत थी, जिसके बाद उसे आवश्यक दवा दी गई। अधिकारियों के मुताबिक, बच्ची की हालत फिलहाल ठीक बताई जा रही है और उसका वजन सात किलोग्राम से अधिक है।



उपयोग सुनिश्चित करना है।
चयन के बाद भी ज्वाइनिंग नहीं, सरकार ने दिखाई सख्ती
राज्य में सरकारी चिकित्सकों की भर्ती के दौरान कई बार ऐसी स्थिति सामने आती है,

जब अभ्यर्थी चयनित होने के बावजूद निर्धारित समय में पदभार ग्रहण नहीं करते। इससे अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी दूर करने की योजना प्रभावित होती है। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी पद खाली रहने से मरीजों को अपेक्षित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में परेशानी आती है।

सरकार अब इस स्थिति पर अंकुश लगाने के लिए नियमों में बदलाव की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत

चयन के बाद ज्वाइनिंग नहीं करने वाले डॉक्टरों को भविष्य में दोबारा भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर नहीं देने का प्रावधान किया जा सकता है। हालांकि, अंतिम नियम और उसके लागू होने की शर्तें

आधिकारिक अधिसूचना के बाद ही स्पष्ट होंगी।

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में चिकित्सकों की तैनाती लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग के सामने चुनौती बनी हुई है। दुर्गम क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित सुविधाओं और आवागमन की कठिनाइयों के कारण डॉक्टरों को तैनात करना और उन्हें लंबे समय तक वहां बनाए रखना आसान नहीं है। सरकार की चिंता यह है कि भर्ती प्रक्रिया के बावजूद यदि डॉक्टर ज्वाइन नहीं करते, तो दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने का लक्ष्य प्रभावित होता है। ऐसे में भर्ती नियमावली में सख्ती के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने और चिकित्सकों को तैनाती के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत भी महत्वपूर्ण बनी हुई है।

चकराता के सिलामू स्कूल में शिक्षक की गैर मौजूदगी का दावा

चकराता(देहरादून)। उत्तराखंड के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में सरकारी शिक्षा व्यवस्था की स्थिति को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। चकराता ब्लॉक के सिलामू स्कूल का बताया जा रहा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कथित तौर पर शिक्षक की गैरमौजूदगी में बच्चे खुद ही पढ़ाई करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद स्कूल में शिक्षकों की उपस्थिति और शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बच्चों के भविष्य की जिम्मेदारी किसकी ?

स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार और शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

है। ऐसे में यदि शिक्षक की अनुपस्थिति में बच्चे स्वयं पढ़ाई करने को मजबूर हैं, तो यह व्यवस्था की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सवाल यह भी है कि विद्यालय में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए क्या व्यवस्था है और संबंधित अधिकारी इसकी निगरानी किस प्रकार कर रहे हैं?

शिक्षा विभाग की जांच पर टिकी निगाहें

वायरल वीडियो को लेकर अब शिक्षा विभाग की ओर से जांच और आधिकारिक स्पष्टीकरण का इंतजार है। विभाग को मामले की वास्तविक स्थिति की जांच कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि वीडियो का बनाव गया, उस समय शिक्षक विद्यालय में मौजूद थे या नहीं और यदि अनुपस्थित थे,

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

बढ़ सकती है सजा

रोनाल्डो को पुर्तगाल महासंघ ने किया अस्थायी निलंबित

नई दिल्ली। पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ के अनुशासन विभाग ने रोनाल्डो के संभावित नियम उल्लंघन की जांच शुरू की है। महासंघ के मुताबिक, मामले में पहले से लागू स्वतः निलंबन के अलावा रोनाल्डो पर अतिरिक्त अस्थायी प्रतिबंध भी लगाया गया है। मामले को तत्काल प्रार्थमिकता के आधार पर निपटाने का फैसला किया गया है।



कोच जॉर्ज जीसस से विवाद के बाद छोड़ा था शिविर

रोनाल्डो का विवाद पुर्तगाल के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस के साथ हुआ था। बताया गया है कि नॉर्वे के खिलाफ 2-1 की जीत के दौरान रोनाल्डो को मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला। वह मैच में स्थानापन्न खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करते नजर आए, लेकिन उन्हें खेलने के लिए नहीं बुलाया गया। रोनाल्डो के अनुसार, कोच ने मैच से पहले उन्हें लगभग 30 मिनट खेलने का मौका देने का आश्वासन दिया था। जब ऐसा नहीं हुआ, तो उन्हें लगा कि उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। रोनाल्डो ने यह भी दावा किया कि जीसस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले पर सार्वजनिक रूप से सफाई देने का वादा किया था, लेकिन वह भी पूरा नहीं हुआ। इसके बाद दोनों के बीच तनाव बढ़ गया। रोनाल्डो ने डेनमार्क के खिलाफ मुकाबले से पहले ही पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम का प्रशिक्षण शिविर छोड़ने का फैसला कर लिया।

रोनाल्डो ने टीम और समर्थकों से मांगी माफी

विवाद के बाद रोनाल्डो ने एक विस्तृत सार्वजनिक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने अपने साथियों और समर्थकों से माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि राष्ट्रीय टीम का शिविर छोड़ने के उनके फैसले के परिणाम हो सकते हैं। रोनाल्डो ने यह भी कहा कि एक आदर्श खिलाड़ी के रूप में उनकी जिम्मेदारी है कि उनके व्यवहार का आकलन सख्ती से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने फैसले के लिए मिलने वाली सजा स्वीकार करने को तैयार हैं, हालांकि उन्होंने कोच के व्यवहार की आलोचना भी की।

एक से छह महीने तक लग सकता है प्रतिबंध

पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ के अनुशासनात्मक नियमों के तहत रोनाल्डो को एक से छह महीने तक के निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ उन पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। हालांकि, रोनाल्डो की ओर से गलती स्वीकार करने को अंतिम सजा कम करने का आधार माना जा सकता है। फिलहाल महासंघ ने अंतिम दंड का फैसला नहीं किया है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पुर्तगाल के कप्तान को कितने समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम घोषित, रचिन की वापसी

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम का एलान कर दिया गया है। इसमें फिन एलेन, लॉकी फर्ग्युसन और टिम सीफर्ट की वनडे टीम में वापसी हुई है। वहीं, पिछले महीने कंधे में चोट लगने के कारण टी20 सीरीज से बाहर रहने वाले रचिन रवींद्र 50 ओवरों के इन मैचों के लिए चोट से उबरकर टीम में लौट रहे हैं। न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने पांच मैचों की इस वनडे सीरीज के लिए एक विभाजित (स्प्लिट) स्क्वाड का चयन किया है।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम

भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीनों प्रारूपों की सीरीज खेलेगा। टी20 सीरीज के बाद दोनों टीमों पांच मैचों की वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी। पहला वनडे चार नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला सात नवंबर को वेलिंगटन में और तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः 13 और 15 नवंबर को माउंट माउन्गुनी (टैरंगा) के बे ओवल मैदान पर खेले जाएंगे।

अंतिम दो वनडे के लिए सात अन्य खिलाड़ियों को जगह

चयनकर्ताओं ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि तीसरे वनडे के बाद कुछ खिलाड़ी पहले टेस्ट मैच की तैयारी के लिए सीधे वेलिंगटन रवाना हो जाएंगे, जो कि पहले टेस्ट का वेन्यू है। इस व्यवस्था के चलते अंतिम दो वनडे मैचों के लिए सात अन्य खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है। टीम के बल्लेबाज मार्क चापमैन चोट के कारण टी20 सीरीज से बाहर हो गए थे, लेकिन उन्हें वनडे टीम में शामिल किया गया है। मार्क चापमैन पिछले महीने यूरोपीय टी20 लीग के दौरान बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोटिल हो गए थे और फिलहाल उबर रहे हैं।

न्यूजीलैंड की वनडे टीमें

पहले तीन वनडे के लिए टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लाथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, स्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, विल यंग, ब्लेयर टिकनर।
आखिरी दो वनडे के लिए टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्युसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग।



पूर्व बल्लेबाज ने सूर्यवंशी को दी महत्वपूर्ण सलाह

सहवाग बोले- वैभव में दिखती है अपनी झलक, वह सर्वश्रेष्ठ दौर में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी में अपनी झलक दिखती है। उन्होंने इस युवा सनसनी को भारत के लिए लंबा करियर बनाने पर ध्यान देने की सलाह दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,253 रन बनाने वाले सहवाग ने सूर्यवंशी की तारीफ की।

सहवाग बोले- पहली गेंद से शॉट मारना चाहते हैं वैभव

सूर्यवंशी ने अब तक आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 246 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 186 का रहा है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। अपने जमाने में सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार रहे सहवाग ने कहा, सूर्यवंशी इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में हैं और उनकी सोच कुछ हद तक मेरी जैसी है। वह पहली गेंद से ही बड़े शॉट खेलने के इरादे से उतरते हैं। अब यह देखना अहम होगा कि उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका कब मिलता है और वह कितने मैच खेलते हैं।

कप्तान गिल को जमकर सराहा

वनडे विश्व कप 2011 के विजेता सहवाग ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में 30 सितंबर को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में गिल की 133 गेंदों पर 223 रन की पारी का उल्लेख करते हुए कहा, इन दिनों कई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनमें से एक शुभमन गिल हैं, जो बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं। वह भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान भी हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 700 से ज्यादा रन बनाकर सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा और हाल ही में वनडे में अपना दूसरा दोहरा शतक भी लगाया। ऐसा करना आसान नहीं है। भारत के 2025 के इंग्लैंड दौरे पर गिल ने पांच



टेस्ट मैचों में कुल 754 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने गावस्कर के 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाए गए 732 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। सहवाग का मानना है कि अगर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण मजबूत बना रहता है, तो टीम के पास 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने का अच्छा मौका होगा। उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारत का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताते हुए कहा कि विश्व कप में गेंदबाजी आक्रमण का मजबूत प्रदर्शन खिताबी सफलता की राह आसान कर सकता है। सहवाग ने कहा, हमारे तेज गेंदबाजों में बुमराह हैं, जो हमारे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। अगर विश्व कप में हमारा गेंदबाजी आक्रमण मजबूत रहता है, तो हम खिताब जीत सकते हैं।

प्रदर्शन ही सबसे ज्यादा मायने रखता है

सहवाग ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी शीर्ष स्तर के क्रिकेट में खेलने के लिए पर्याप्त प्रतिभाशाली है, तो उसकी उम्र को लेकर चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयु वर्ग के टूर्नामेंट में उम्र के नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन आईपीएल या भारतीय टीम में खेलने के दौरान प्रदर्शन ही सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, आप अगर किसी आयु वर्ग की प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो नियमों के मुताबिक आपकी उम्र होनी चाहिए। अंडर-19 में खेल रहे हैं, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए। लेकिन जब आप आईपीएल या भारत के लिए खेलते हैं, तो उम्र मायने नहीं रखती। 38 या 40 साल के विराट कोहली खेल रहे हैं और 15 साल



कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026

13 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा भारत

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत ने कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 13 पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। शनिवार को अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक जीते। घरेलू मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों ने स्नूकर, इंग्लिश बिलियर्ड्स और अन्य क्यू स्पोर्ट्स स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पीटी उषा की मौजूदगी में पदक समारोह

इस चैंपियनशिप का आयोजन एपेक्स स्पोर्ट्स प्रमोशन ने किया, जबकि बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडियामेंजबान रहा। प्रतियोगिता को वर्ल्ड कॉन्फेडरेशन ऑफ बिलियर्ड्स स्पोर्ट्स और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की मान्यता प्राप्त थी। पदक वितरण समारोह में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

आदित्य मेहता ने स्नूकर में जीता स्वर्ण

भारत के अभियान की अगुवाई आदित्य स्नेहल मेहता ने की, जिन्होंने पुरुष स्नूकर स्पर्धा में स्वर्ण पदक



जीता। फाइनल में उन्होंने अपने ही देश के ध्वज हरिया को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में हरिया को रजत पदक मिला, जबकि भारत के लक्ष्मण सिंह रावत और श्रीलंका के मोहम्मद दह इरशद ने कांस्य पदक जीते।

अनुपमा और रेयान ने भी जीते स्वर्ण

महिला इंग्लिश बिलियर्ड्स स्पर्धा में अनुपमा रामचंद्रन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने फाइनल में भारतीय खिलाड़ी रेवन्ना उमादेवी को

1-0 से हराया। उमादेवी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस स्पर्धा में ग्रेट ब्रिटेन की मैरी रॉबर्ट्स मैक और ऑस्ट्रेलिया की जूली वॉटसन ने कांस्य पदक जीते। पुरुष इंग्लिश बिलियर्ड्स में रेयान रजमी ने भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीता।

144 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में 40 से अधिक देशों के 144 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में इंग्लिश बिलियर्ड्स, स्नूकर, हेयबॉल, 10-बॉल पूल और ब्लैकबॉल की विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। यह पहली बार था जब बहु-विषयक कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन भारत में किया गया।

शताब्दी समारोह का भी बनी हिस्सा

यह प्रतियोगिता बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया के शताब्दी समारोह का प्रमुख हिस्सा भी रही। भारत के खिलाड़ियों ने घरेलू मैदान पर कई स्पर्धाओं के फाइनल में जगह बनाकर और पदक जीतकर देश की मजबूत स्थिति को रेखांकित किया। कुल 13 पदकों के साथ भारत का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय क्यू स्पोर्ट्स में देश की बढ़ती उपस्थिति और प्रतिस्पर्धी क्षमता को दर्शाता है।



स्मृति को मिली नई जिम्मेदारी

यूनिसेफ इंडिया ने सेलिब्रिटी एडवोकेट बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनिसेफ इंडिया ने रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्मृति मंधाना को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। इस नई भूमिका में मंधाना बच्चों और युवाओं के समान अधिकारों और अवसरों की वकालत करने के अपने पूर्व के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। यह नियुक्ति 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर की गई, जो लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा, क्षमता और नेतृत्व पर प्रकाश डालती है, साथ ही उन बाधाओं पर भी जो अभी भी उनके विकल्पों को सीमित करती हैं। भारत की खेल आइकन और युवा महिलाओं व लड़कियों के लिए रोल मॉडल, मंधाना लड़कियों को खेलने और आगे बढ़ने के लिए समान अवसरों की वकालत करेंगी। वह यूनिसेफ इंडिया के प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहयोग देंगी ताकि किशोरियों को सशक्त बनाया जा सके, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके और वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। मंधाना ने कहा, मैं यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूँ। बचपन में क्रिकेट खेलने ने मुझे सिखाया कि हर सपना एक अवसर से शुरू होता है। मेहनत, दृढ़ संकल्प और प्रोत्साहन से वह अवसर कुछ असाधारण बन सकता है। हर बच्चे और युवा को बड़ा सपना देखने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का अवसर मिलना चाहिए। यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंथिया मैककेन्नी ने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्मृति मंधाना का यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में स्वागत करते हुए प्रसन्न हैं। स्मृति की यात्रा, एक महत्वाकांक्षी युवा एथलीट से वैश्विक क्रिकेट आइकन तक, लड़कियों को दिखाती है कि जब प्रतिभा को अवसर मिलता है तो क्या संभव है। ऐसे समय में जब भारत दुनिया के सबसे बड़े बच्चों और युवाओं की पीढ़ी का घर है, लड़कियों के अधिकारों, नेतृत्व और कल्याण में निवेश करना किसी देश का सबसे समझदार निवेश है। हम स्मृति के साथ साझेदारी करने की आशा करते हैं ताकि हर लड़की को सीखने, खेलने, नेतृत्व करने और अपनी क्षमता पूरी करने का अवसर मिल सके।

हाल ही में महिला टीम की कप्तान बनी हैं मंधाना

अर्जुन पुरस्कार प्राप्त और भारत की अग्रणी खिलाड़ियों में से एक मंधाना, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हैं। वह उस टीम का हिस्सा थीं जिसने 2025 में भारत को पहला आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खिताब दिलाया। उसी वर्ष वह पहली महिला बनीं जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 से अधिक वनडे रन बनाए और पांच वनडे शतक लगाकर रिकॉर्ड बनाया। 2026 में, वह महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में अग्रणी रन-स्कोरर बनीं। वह विश्व की शीर्ष रैंक वाली महिला वनडे बल्लेबाज हैं और दो बार आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुकी हैं। मंधाना ने पहले यूनिसेफ-आईसीसी अभियानों का समर्थन किया है जो लैंगिक समानता और जीवन कौशल पर केंद्रित थे। वह यूनिसेफ के प्रॉमिस टू चिल्ड्रन अभियान की भी समर्थक रही हैं।

दर्शक से जुड़े विवाद के बाद मेदवेदेव ने दर्ज की पहली जीत

शंघाई: रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने दर्शक से जुड़े विवाद के बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने शनिवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। चीन ओपन में डिसक्वालिफाई किए जाने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था। शंघाई मास्टर्स एटीपी 1000 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में मेदवेदेव को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा। स्ट्रफ ने पहला सेट 6-4 से जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन मेदवेदेव ने दूसरे सेट में 6-4 से वापसी की। निर्णायक तीसरे सेट में रूसी खिलाड़ी ने 6-3 से जीत हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद स्ट्रफ के खिलाफ मेदवेदेव का करियर रिकॉर्ड 10-2 हो गया है। मेदवेदेव को बीजिंग में चीन ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान नोवाक जोकोविच के खिलाफ खेलते हुए डिसक्वालिफाई कर दिया गया था। घटना तब हुई, जब उनके द्वारा स्टैंड की ओर मारी गई गेंद एक दर्शक की आंख में जा लगी। इस घटना के बाद अधिकारियों ने उन्हें मुकाबले से बाहर कर दिया। घटना के बाद मेदवेदेव ने माफी मांगी थी और कहा था कि यह जानबूझकर नहीं किया गया। बीजिंग टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए उन्हें मिलने वाली 2.85 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि भी गंवानी पड़ी। शंघाई में स्ट्रफ के खिलाफ मुकाबला उनकी इस घटना के बाद पहली उपस्थिति थी।

